6 जुलाई से तीन देशों की यात्रा पर जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 से 11 जुलाई तक इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की छह दिवसीय यात्रा पर जाएंगे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, इस दौरे का उद्देश्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करना है। इंडोनेशिया में पीएम मोदी राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो से मुलाकात करेंगे, जबकि ऑस्ट्रेलिया में उनकी प्रमुख बैठकें मेलबर्न में होंगी। दौरे का समापन न्यूजीलैंड में होगा। इस यात्रा का सबसे खास पहलू न्यूजीलैंड है। प्रधानमंत्री मोदी वहां लगभग 40 साल बाद जा रहे हैं। आखिरी बार राजीव गांधी 1986 में गए थे। पीएम मोदी ऑकलैंड में दो दिन का राज्य स्तरीय दौरा करेंगे, जहां वह प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन से मुलाकात करेंगे। भारतीय समुदाय के लिए भी बड़ा कार्यक्रम होने वाला है। ऑकलैंड में 'किआ ओरा मोदी' जैसे कार्यक्रम की तैयारी चल रही है, जहां हजारों भारतीय मूल के लोग शामिल होंगे। दोनों देशों के बीच हाल ही में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हुआ है।

दैनिक

दीन बन्धु

भोपाल-नर्मदापुरम और राजगढ़ से प्रकाशित

RNI.NO. MPHIN/2012/42537
भोपाल, शनिवार
04.07.2026
वर्ष : 14
अंक : 195
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1/-
युगाब्द 5127
विक्रम संवत 2083

ब्रीफ न्यूज

सिंधिया राजघराने के 37 साल पुराने विवाद का अंत... 8 जुलाई को कोर्ट में होगी औपचारिक प्रक्रिया

ग्वालियर। सिंधिया राजघराने की करीब 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति को लेकर लगभग चार दशक से चला आ रहा पारिवारिक विवाद अब समाधान की ओर बढ़ गया है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनकी तीनों बुआ वसुंधरा राजे, यशोधरा राजे तथा ऊषा राजे के बीच संपत्ति बंटवारे को लेकर हुए आपसी समझौते की औपचारिक प्रक्रिया आठ जुलाई को न्यायालय में पूरी की जाएगी। इसके लिए ये दोनों पक्ष वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से न्यायालय में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। बता दें कि वसुंधरा राजे राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री हैं, जबकि यशोधरा राजे मध्य प्रदेश में मंत्री रह चुकी हैं। उल्लेखनीय है कि न्यायालय के निर्देशों के बाद दोनों पक्ष आपसी सहमति से विवाद समाप्त करने पर राजी हो गए हैं। समझौते का प्रार्थनापत्र ग्वालियर जिला न्यायालय में प्रस्तुत किया जा चुका है। न्यायालय ने पिछली सुनवाई के दौरान पक्षकारों को राजीनामा प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे और 90 दिनों के भीतर पूरे विवाद का समाधान कर उसकी पालन प्रतिवेदन रिपोर्ट दाखिल करने को कहा था। यह भी स्पष्ट किया गया था कि यदि निर्धारित समय-सीमा में प्रक्रिया पूरी नहीं होती है तो संबंधित याचिका को पुन: बहाल किया जा सकता है।

केदारनाथ धाम के भक्तों से बदतमीजी बर्दाश्त नहीं, घोड़ा और खच्चर संचालकों को प्रशासन की चेतावनी

देहरादून। उत्तराखंड में तीर्थयात्रियों के साथ बदसलूकी के कई मामले सामने आने के बाद प्रशासन ने घोड़ा और खच्चर संचालकों को चेतावनी दी है। रूद्रप्रयाग के डीएम ने साफ किया है कि यात्रियों के साथ बदतमीजी करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिला मजिस्ट्रेट विशाल मिश्रा ने शुक्रवार को कहा कि रुद्रप्रयाग प्रशासन ने केदारनाथ यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों के साथ दुर्व्यवहार करने वाले घोड़े और खच्चर संचालकों और कुलियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। जिला मजिस्ट्रेट ने सभी घोड़ा और खच्चर संचालकों, मालिकों और कुलियों (फेरीवालों) से अपील की है। उन्होंने तीर्थयात्रियों के साथ शिष्टाचार, गरिमा और सम्मान के साथ व्यवहार करने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि उनका उद्देश्य श्रद्धालुओं को तीर्थयात्रा के दौरान एक सुरक्षित और सुखद अनुभव प्राप्त कराना है।

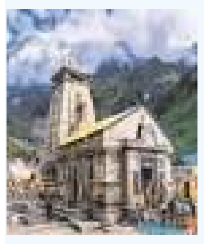

चलते ई-रिक्शा को बंद करने वाले चाइनीज एप बैन, बदमाश ब्लूटूथ के जरिए बैटरी ऑफ कर देते थे, इलेक्ट्रिक कार-स्कूटर को खतरा नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली समेत कई शहरों में ई-रिक्शा चालकों के लिए परेशानी बने 7 एप को सरकार ने एप स्टोर से हटाने के आदेश दिए हैं। इनमें BAT-BMS, स्मार्ट BMS, लॉसिजी और इपोच ली-आयन शामिल हैं। आईटी मंत्रालय ने इसकी जानकारी शुक्रवार को दी। हालांकि, ये एप प्ले स्टोर पर अब भी मौजूद हैं। हाल ही में शिकायतें मिली थीं कि कुछ लोग इन एप से ब्लूटूथ के जरिए ई-रिक्शा की बैटरी को बंद कर चलते ई-रिक्शा को रोक देते थे। इससे चालकों को काफी परेशानी हो रही थी। इन घटनाओं के वीडियो भी वायरल हुए। दरअसल, कुछ ई-रिक्शा की लीथियम बैटरियों का ब्लूटूथ मैनेजमेंट सिस्टम बिना पासवर्ड या कमजोर सुरक्षा के था, इसलिए एप उससे कनेक्ट हो गया। हालांकि, कारों के बैटरी सिस्टम में मजबूत सुरक्षा और एन्क्रिप्शन होता है, इसलिए कोई सामान्य एप उनसे कनेक्ट नहीं हो सकता। सरकार ने BAT-BMS, Lossigy औरU Epochl-i-ion एप्स को प्ले स्टोर से हटाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही ऐसे अन्य एप्स की भी पहचान की जा रही है, जिनका गलत इस्तेमाल हो सकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की कृषक कल्याण वर्ष के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की समीक्षा

किसानों से सीधे संवाद के लिए राजधानी से लेकर मैदानी स्तर तक किये जाये कार्यक्रम आयोजित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल ■ नसं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों का कल्याण राज्य सरकार का कर्तव्य है। खेती की लागत कम करने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए गतिविधियों को प्राथमिकता पर लिया जाना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष घोषित किया गया है। कृषकों के हित संवर्धन के लिए लागू कार्यक्रमों और योजनाओं का क्रियान्वयन मिशन मोड में किया जाए। किसानों से सीधे संवाद के लिए राजधानी से लेकर मैदानी स्तर तक कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। दुग्ध उत्पादन किसानों की आय बढ़ाने के लिए विशेष रूप से सहायक है। किसानों को उन्नत नस्ल की गाय उपलब्ध कराने में निजी संस्थाओं का सहयोग भी लिया जाए। ग्रामीण स्तर पर इस तरह के केन्द्रों का अधिक से अधिक विस्तार हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कृषक कल्याण वर्ष के अंतर्गत अब तक हुए कार्यक्रमों की मंत्रालय में समीक्षा कर रहे थे। बैठक में आगामी प्रस्तावित कार्यक्रमों के संबंध में भी अधिकारियों को निर्देश दिए गए। बैठक में किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को कम पानी और अल्प अवधि की फसलों के लिए जागरूक किया जाए। फसल चक्र में परिवर्तन और प्राकृतिक व जैविक खेती के प्रोत्साहन के लिए वातावरण बनाना आवश्यक है। खेती-किसानी से जुड़े स्थानीय पर्व और त्यौहारों तथा फसल चक्र के अनुसार किसानों से संवाद स्थापित किया जाए। सुगमता और सरलता सुनिश्चित करते हुए सहकारी समितियों की प्रक्रियाओं का डिजिटलाइजेशन किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में जानकारी दी गई कि ऑनलाईन किसान क्रेडिट कार्ड पोर्टल और किसानों के लिए ई-पासबुक सुविधा का शुभारंभ जुलाई माह में ही किया जाएगा। राज्य स्तरीय सहकारिता सम्मेलन का आयोजन भी होगा।

इंदौर में होगा सब्जी महोत्सव और एक्वाकल्चर मार्केटिंग सिम्पोजियम

बैठक में बताया गया कि खरगौन में राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन और कपास एवं मिर्च महोत्सव के आयोजन की योजना है। अन्तर्देशीय मत्स्य पालन और जलीय कृषि पर जबलपुर में कार्यक्रम होगा। इसी प्रकार जबलपुर में ही कुक्कुट पालकों और उद्यमियों का सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा। बुरहानपुर में केला महोत्सव, उज्जैन में हाईटेक नर्सरी और संरक्षित खेती पर कार्यशाला, सागर और रतलाम में कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) का राज्य स्तरीय सम्मेलन, नीमच में उद्यानिकी में आधुनिक तकनीक पर कार्यशाला, इंदौर में सब्जी महोत्सव तथा एक्वाकल्चर मार्केटिंग सिम्पोजियम और भोपाल पराली प्रबंधन पर कार्यशाला के साथ ही नरसिंहपुर में गन्ना महोत्सव के अंतर्गत राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन भी प्रस्तावित है। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री के.सी गुप्ता, श्री नीरज मंडलोई, प्रमुख सचिव श्री डी.पी. आहूजा, श्री उमाकांत उमराव, आयुक्त जनसम्पर्क श्री मनीष सिंह उपस्थित थे।

भारत और जर्मनी दो भाईयों की तरह : मुख्यमंत्री यादव

भारत और जर्मनी दो भाईयों की तरह : मुख्यमंत्री यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शुक्रवार को जर्मनी के 4 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मंत्रालय में सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधिमंडल द्वारा मुख्यमंत्री से मध्यप्रदेश में ऊर्जा क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल में जर्मनी के केएफडब्ल्यू डेवलपमेंट बैंक के कार्यकारी बोर्ड की सदस्या एवं बैंक की सीईओ सुश्री क्रिस्टियाने लाईबेक, कंट्री डायरेक्टर श्री वूल्फन मूथ, जर्मन दूतावास के प्रतिनिधि श्री गॉटफ्रीड वॉन और अन्य सदस्य, प्रबंध संचालक म.प्र. औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड श्री चंद्रमौली शुक्ला, श्री विशेष गढ़पाले सहित केन्द्र सरकार के अधिकारी भी उपस्थित थे। मुख्यनमंत्री डॉ. यादव ने भारत एवं जर्मनी के बीच दशकों पुरानी मित्रता का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों देश भाईयों की तरह हैं। इनमें आपसी साझेदारी को और अधिक प्रबल बनाने में मध्यप्रदेश बड़ी भूमिका निभाने जा रहा है। सरकार जर्मनी के उद्योगपतियों और निवेशकों से लगातार सम्पर्क में है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ऊर्जा क्षेत्र में केएफडब्ल्यू डेवलपमेंट बैंक के सहयोग की सराहना करते हुए आशा जताई कि हमारी साझेदारी दिन-ब-दिन और भी सुदृढ़ होगी। जर्मनी के सहयोग से हमारा मध्यप्रदेश एक ऊर्जा दक्ष हरित और समृद्ध राज्य बनेगा। केएफडब्ल्यू बैंक के प्रतिनिधिमंडल द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव को अवगत कराया गया कि एनर्जी रिफार्म प्रोग्राम अन्तर्गत वितरण कंपनियों में स्मार्ट मीटर की स्थापना एवं फीडर विभक्तिकरण कार्य के लिए लगभग 1120 करोड़ रूपये का वित्त पोषण किया जा रहा है।

एटीएस ने की बड़ी कार्रवाई

गुजरात और मध्य प्रदेश में जैश-ए-मोहम्मद के 8 संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

भोपाल/अहमदाबाद ■ एजेंसी

गुजरात एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (ATS) ने आतंकवाद के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गुजरात और मध्य प्रदेश से जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े 8 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है. ATS का दावा है कि ये आरोपी गुजरात में संगठन का सक्रिय नेटवर्क तैयार करने की कोशिश कर रहे थे, जिससे भविष्य में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दिया जा सके. सुरक्षा एजेंसियां अब आरोपियों के संपर्कों, उनके नेटवर्क और संभावित योजनाओं की गहराई से जांच कर रही हैं. ATS के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हुए हैं. जांच एजेंसी का कहना है कि ये लोग संगठन के लिए नए लोगों को जोड़ने और गुजरात में एक मजबूत नेटवर्क बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे. एजेंसी को आशंका है कि इस नेटवर्क का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए किया जा सकता था. फिलहाल सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और उनके डिजिटल तथा वित्तीय रिकॉर्ड भी खंगाले जा रहे हैं.

गुजरात और मध्य प्रदेश से गिरफ्तारियां

ATS ने यह कार्रवाई गुजरात और मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों में एक साथ की. जांच एजेंसी को लंबे समय से इन संदिग्धों की गतिविधियों पर नजर थी. शुरुआती जांच में मिले इनपुट के आधार पर छापेमारी कर सभी आठ आरोपियों को हिरासत में लिया. अधिकारियों का कहना है कि मामले से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है.

आरोपियों के नाम- अहमद अब्दुल्ला गाजीवाला उर्फ अबू उबैदा (19), इब्राहिम मोहम्मद हुसैन घाघा उर्फ अबू हमजा (30), मुदस्सिर अब्दुल्ला गाजीवाला उर्फ अबू आया (22), जकारिया दुरानी मोहम्मद अम्मार घाघा उर्फ इब्न अम्मार उर्फ जकारिया पालनपुरी (21), मुफ्ती फौजान इस्माइल दौवा उर्फ मुफ्ती साहब (40), मोहम्मद अमीन शेरा उर्फ अमीन पालनपुरी (21), मोहम्मद अब्दुल रहमान सावदी उर्फ मोहम्मद पालनपुरी और बिलाल दुरानी मोहम्मद अम्मार घाघा उर्फ अबू दुजाना उर्फ अबू सुफियान उर्फ अबू जुंदाल उर्फ उमर बिन खत्ताब (18) शामिल हैं.

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आरएसएस बोला-दोषियों को कड़ी सजा मिले, पुलिस ने आरोपी अविनाश की कार जब्त की

अयोध्या ■ एजेंसी

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने शुक्रवार को पहली बार बयान दिया। सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने वीडियो जारी कर कहा- रामलला मंदिर में रखे दानपात्रों में जमा राशि की चोरी दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे रामभक्तों की भावनाओं और श्रद्धा को आघात पहुंचा है। उनका भरोसा बचाना जरूरी है। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उन्हें कठोर दंड मिलना चाहिए। दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि करोड़ों रामभक्तों के समर्पण, त्याग और बलिदान से भव्य राम मंदिर बना है। ट्रस्ट मंदिर के प्रबंधन और संचालन व्यवस्था में मौजूद सभी कमियों को दूर करने के लिए प्रभावी कदम उठाए। करोड़ों रामभक्तों की आस्था और विश्वास को बनाए रखने के लिए वित्तीय प्रबंधन, संचालन प्रणाली और व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी, त्रुटिरहित और धर्मसम्मत होनी चाहिए। इधर, अयोध्या में भाजपा नेता विनय कटियार ने कहा- यह साफ है कि पैसों का गबन हुआ है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा और आमंत्रित ट्रस्ट सदस्य गोपाल राव किसी कारण से बच गए, जेल नहीं गए। हो सकता है कि आगे जेल जाएं। हालांकि, विनय कटियार बाद में एक न्यूज चैनल से बात करते हुए चंपत राय के जेल जाने वाले बयान से पलट गए। कटियार ने कहा- मैंने यह नहीं कहा कि चंपत जेल जा सकते हैं। इधर, स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम दूसरे दिन शुक्रवार को भी जांच के लिए मंदिर पहुंची है। सूत्रों के मुताबिक, टीम गोपाल राव से पूछताछ कर रही है।

राजा मर्डर-सोनम रघुवंशी की जमानत पर रोक नहीं

इंदौर। इंदौर के कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड की मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी की जमानत बरकरार रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इस पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा- हमें हाईकोर्ट के फैसले पर कुछ आपत्तियां हैं लेकिन सोनम जेल से बाहर आ चुकी है, इसलिए हम उसकी जमानत पर रोक नहीं लगाएंगे। इसके साथ ही कोर्ट ने मेघालय सरकार की उस याचिका पर नोटिस जारी कर दिया है, जिसमें हाईकोर्ट के जमानत आदेश को चुनौती दी गई है।

उज्जैन में क्षिप्रा में बाढ़, मंदिर डूबे गुजरात में बच्चे पानी में बहे

घरों में पानी घुसा, बारिश के बाद हिमाचल में लैंडस्लाइड, गाड़ियां दबीं

उज्जैन/शिमला ■ नसं

हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में गुरुवार रात भारी बारिश हुई। किन्नौर के चोलिंग में बारिश के बाद मलबा नेशनल हाईवे पर आ गया। दो गाड़ियां दब गई। राज्य में 60 सड़कें बंद हैं। इधर, यूपी में शुक्रवार सुबह 3 बजे लखनऊ, बाराबंकी, उन्नाव, जालौन समेत 5 शहरों में बारिश हुई। उन्नाव में पानी घरों में घुस गया। गुजरात के वलसाड में सड़कें पानी में डूब गईं, गाड़ियां चलते-चलते बंद हो गईं। जामनगर में दो बच्चे पानी में बह गए, स्थानीय लोगों ने उन्हें बचाया। सोमनाथ के सूत्रपाड़ा में घरों में पानी घुसा। मध्य प्रदेश में मानसून 9 दिन में ही पूरे प्रदेश में छा गया। धार, बड़वानी, खरगोन और देवास में अगले 24 घंटे में 4 से 8 इंच तक बारिश का अनुमान है। उज्जैन में क्षिप्रा नदी का जलस्तर बढ़ने से राम घाट के पास मंदिर डूब गए। राजस्थान के जयपुर में 2 दिन से रुक-रुककर बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को भी कोटा, बारां और झालावाड़ के लिए तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। उत्तराखंड में रुद्रप्रयाग, चमोली समेत कई जिलों में लैंडस्लाइड से सड़कें बंद हो गई हैं। बद्रीनाथ और केदारनाथ हाईवे पर लगातार पत्थर गिरे थे। सुरक्षा के चलते केदारनाथ यात्रा रोक दी गई थी।

इंडिया ब्लॉक का आरोप-चुनावों में धांधली हुई सीजेआई को पत्र लिखा

नई दिल्ली। विपक्षी दलों के गठबंधन INDIA ब्लॉक ने ने भारत के मुख्य न्यायाधीश को एक संयुक्त पत्र लिखकर चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं और चुनाव प्रक्रिया में हस्तक्षेप की मांग की है। पत्र में (SIR) को रोकने और आगामी चुनावों में ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से चुनाव कराने पर विचार करने की मांग की गई है। 28 जून को लिखे गए इस पत्र को विपक्ष ने शुक्रवार (3 जुलाई) को मीडिया में जारी किया। पत्र में विपक्ष ने यह स्पष्ट किया कि वह न्यायपालिका पर सवाल नहीं उठा रहा है। पत्र जारी करते हुए कांग्रेस के महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने कहा- हमारे देश में चुनावी लोकतंत्र को सबसे गंभीर खतरा है।

ईरान में खामेनेई का अंतिम संस्कार, 14 महीने की पोती का ताबूत भी रखा गया, राष्ट्रपति पजशकियान रो पड़े

तेल अवीव/तेहरान ■ एजेंसी

ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई और उनके परिवार के सदस्यों की अंतिम विदाई की रस्में शुरू हो गई हैं। खामेनेई के साथ उनकी 14 महीने की पोती, पत्नी, बेटी और दामाद को भी श्रद्धांजलि दी जा रही है। खामेनेई की पोती के छोटे से ताबूत के पास उसकी तस्वीर भी रखी गई है। तेहरान के मोसल्ला परिसर में अली खामेनेई और उनके परिवार के कई सदस्यों के ताबूत रखे गए हैं। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान समेत देश का शीर्ष नेतृत्व तेहरान के ग्रैंड मोसल्ला में खामेनेई को श्रद्धांजलि देने पहुंचा। इस दौरान पजशकियान भावुक होकर रो पड़े। उनके साथ मौजूद ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ और कई सैन्य अधिकारी भी अपने आंसू नहीं रोक सके। खामेनेई और उनके परिवार के सदस्यों की 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल के संयुक्त हवाई हमले में मौत हो गई थी। 131 दिन बाद, 9 जुलाई को उन्हें ईरान के मशहद शहर में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा।

दतिया में ब्राह्मण-जाटव बराबर, ओबीसी वोटर सबसे ज्यादा

कांग्रेस से बेटे को उतारने के मूड में भारती, त्याग के बदले टिकट मांग रहे नायक

भोपाल ■ नसं

मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर 30 जुलाई को वोटिंग और 3 अगस्त को काउंटिंग होगी। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा होते ही राजनीतिक पार्टियों में सरगर्मियां बढ़ गई हैं। कांग्रेस में टिकट के लिए उम्मीदवारों के बीच रेस चल रही है। वहीं, बीजेपी से पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा और आजाद समाज पार्टी से दामोदर यादव के नाम पार्टी में सिंगल दावेदारों के तौर पर सामने आए हैं। दतिया में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के मतदाताओं की संख्या करीब 95 हजार है, जो कुल मतदाताओं का लगभग 53% हिस्सा है। इस वर्ग में यादव और कुशवाहा-काछी करीब 17 हजार, लोधी करीब 15 हजार, बघेल-पाल लगभग 10 हजार जबकि अन्य ओबीसी मिलाकर करीब 20 हजार मतदाता हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस सीट पर केवल किसी एक वर्ग के सहारे जीत संभव नहीं है। ब्राह्मण, अहिरवार, यादव, कुशवाहा, लोधी और मुस्लिम वोट जिस तरफ जाएंगे, पलड़ा उसी तरफ झुकेगा। यहां पिछले चुनावों में भी मुकाबला बेहद करीबी रहा है। 2023 में कांग्रेस ने भाजपा को 7,742 वोटों से हराया था।

मुख्यमंत्री यादव बोले-इसे बच्चों का आनंदोत्सव बनाएं

15 जुलाई तक प्रदेश में 70 सांदीपनि विद्यालयों का होगा लोकार्पण

भोपाल ■ नसं

सरकार प्रदेश में तैयार हो चुके 70 सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण 15 जुलाई तक करेगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने निर्देश दिए हैं कि इन विद्यालयों का उद्घाटन केवल औपचारिक कार्यक्रम न होकर शिक्षा, संस्कृति और जनभागीदारी का उत्सव बने। इसमें बच्चों से लेकर अभिभावकों और स्थानीय नागरिकों तक सभी की भागीदारी सुनिश्चित हो। शुक्रवार को मंत्रालय में सांदीपनि विद्यालयों की समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्कूल शिक्षा और जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारियों से कहा कि 'स्कूल चलें अभियान' के दौरान होने वाले लोकार्पण कार्यक्रमों को यादगार बनाया जाए। उन्होंने कहा कि नए विद्यालयों का उद्घाटन बच्चों के बेहतर भविष्य और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की नई शुरुआत का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि लोकार्पण समारोह में बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल एवं अन्य रचनात्मक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएं। सभी विद्यार्थियों को स्वल्पाहार और मिष्ठान्न भी वितरित किया जाए, ताकि यह दिन उनके लिए यादगार बन सके।

70 विद्यालय उद्घाटन के लिए तैयार

बैठक में स्कूल शिक्षा सचिव डॉ. संजय गोयल ने जानकारी दी कि प्रदेश में कुल 70 सांदीपनि विद्यालयों का निर्माण पूरा हो चुका है। इनमें स्कूल शिक्षा विभाग के 46 और जनजातीय कार्य विभाग के 24 विद्यालय शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी विद्यालयों का लोकार्पण जिलों के प्रभारी मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में कराया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक सांदीपनि विद्यालय को आधुनिक सुविधाओं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और संस्कारयुक्त वातावरण वाला आदर्श शिक्षण संस्थान बनाया जाए

29 जुलाई को हर जिले में मनेगा गुरु पूर्णिमा उत्सव

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन सांदीपनि विद्यालयों का पहले ही लोकार्पण हो चुका है, वहां प्रवेशोत्सव उत्साहपूर्वक आयोजित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक बच्चे विद्यालयों से जुड़ें। उन्होंने निर्देश दिए कि 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर प्रत्येक जिले के एक सांदीपनि विद्यालय में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाए। इसमें विज्ञान प्रदर्शनी, शिक्षकों का सम्मान, विद्यार्थियों और शिक्षकों के नवाचारों की प्रदर्शनी, डिजिटल एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित प्रस्तुतियां तथा मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया जाएगा।

ब्रीफ न्यूज़

पंचमुखी हनुमान मंदिर पर संतों का एक दिवसीय धरना प्रदर्शन आज

भोपाल। नादरा बस अड्डा के पास पंचमुखी हनुमान मंदिर पर संतों का एक दिवसीय धरना प्रदर्शन एवं 5 तारीख को संतों की सभा होगी इसमें सरकार का और आगामी उज्जैन संघर्ष कुंभ का बहिष्कार किया जाएगा, गौ माता एवं संत सुरक्षा, मठ मंदिर एवं पुजारी की सुरक्षा को लेकर संत प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री मोहन यादव से मिलने का समय मांगा पर 10 दिन बाद भी मुख्यमंत्री ने नहीं दिया। इससे संत समाज में रोस है। राष्ट्रीय संत सुरक्षा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगतगुरु आचार्य देवमुरारी बापू ।आर्य वर्त खट दर्शन सन समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष महामंडलेश्वर महंत रामभूषण दास जी आदि संतों ने भोपाल में 23 जुलाई को प्रेस वार्ता के माध्यम से मुख्यमंत्री के आवास पर ज्ञापन भिजवाया था समय मांगा था पर नहीं दिया गया।

मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में कार्यकताओं से किया संवाद

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन के मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकताओं से संवाद किया। मध्यप्रदेश शासन के मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकताओं एवं आमजनों से संवाद कर उनकी जनसमस्याओं का त्वरित समाधान किया। जिन जनसमस्याओं का तत्काल समाधान नहीं किया जा सका, उन्हें संबंधित विभागों को निराकरण के लिए भेजा गया। मंत्री ने पार्टी कार्यकताओं से संवाद करते हुए उनकी जनसमस्याओं को समझा और उन्हें शीघ्र समाधान दिलाने का आश्वासन दिया।

महापौर ने मालीखेड़ी विसर्जन घाट के विकास कार्यों का लिया जायजा

भोपाल। महापौर श्रीमती मालती राय ने मालीखेड़ी में विसर्जन घाट के विकास हेतु किए जा रहे कार्यों का जायजा लिया और विसर्जन घाट के सभी कार्यों को श्रद्धालुजन की सुविधा के दृष्टिगत निर्धारित मानकों अनुसार शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। महापौर श्रीमती मालती राय ने मालीखेड़ी में विसर्जन घाट के विकास हेतु किए जा रहे कार्यों का जायजा लिया और पूर्व में किए गए कार्यो सहित प्रचलित व आगामी कार्यों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। महापौर श्रीमती राय ने विसर्जन घाट के शेष सभी कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। महापौर श्रीमती राय ने विशेष रूप से निर्देशित किया कि मालीखेड़ी विसर्जन घाट के विकास संबंधी सभी कार्यों को श्रद्धालुजन की सुविधा एवं मूर्ति विसर्जन की सम्पूर्ण प्रक्रिया सुगमता के साथ पूर्ण कराने की व्यवस्थाओं को बेहतर ढंग से सुनिश्चित कराया जाए। निगम द्वारा मालीखेड़ी में विसर्जन घाट पर सीढ़ियां, रिटर्निंग वॉल, नालियों का निर्माण आदि कार्य कराये गये है।

साइबर जागरूकता, ट्रेफिक व्यवस्था एवं नशा मुक्ति मुहिम पुलिस कमिश्नर ने किया जनसंवाद

भोपाल। राजधानी भोपाल में कृष्ण कॉलोनी थाना गौतम नगर में पुलिस आयुक्त संजय कुमार ने नागरिकों से जनसंवाद किया गया। जनसंवाद के दौरान नागरिकों द्वारा प्रमुख रूप से यातायात एवं सड़क सुरक्षा को लेके सुझाव रखे गए जिसमें बताया गया कि स्कूलों की छुट्टी के समय लगने वाले ट्रैफिक जाम से राहत हेतु प्रभावी यातायात प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए। तथा कॉलोनी की मुख्य सड़क एवं PGBT रोड पर तेज रफ्तार वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक स्थानों पर स्पीड ब्रेकर का निर्माण कराया जाए। पुलिस आयुक्त द्वारा उक्त शिकायतों/सुझावों के त्वरित निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर नागरिकों को यातायात नियमों के पालन की शपथ दिलाई गई एवं साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। SafeClick2.0 अभियान के अंतर्गत पुलिस आयुक्त संजय सिंह ने नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव, सुरक्षित डिजिटल लेनदेन, ऑनलाइन ठगी से सतर्क रहने तथा साइबर सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई।

नागरिकों को शासन की योजनाओं का समय पर मिले पूर्ण लाभः संभागायुक्त

दीनबन्धु ● संवाददाता
dinbandhunews.com

भोपाल। भोपाल संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष रायसेन में शुक्रवार को विभिन्न विभागों के कार्यो की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संभागायुक्त श्री शर्मा ने विभागवार योजनाओं तथा कार्यो की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिला अधिकारियों से कहा कि नागरिकों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ तथा सेवाओं की प्रदायगी समयावधि में पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित कराना शासन की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी अधिकारी दृढ़ संकल्पित होकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का नियमों को ध्यान रखते हुए संवेदनशीलता और व्यवहारिक दृष्टिकोण के साथ त्वरित रूप से निराकरण किया जाए। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा संभागायुक्त को जिले में शासन की योजनाओं तथा कार्यो की प्रगति से अवगत कराया गया। संभागायुक्त श्री शर्मा ने राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा आदि राजस्व प्रकरणों के निराकरण की तहसीलवार समीक्षा करते हुए राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रकरणों को समयसीमा के पहले ही निराकृत किया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि एक भी प्रकरण समय सीमा से बाहर ना हो, यह सुनिश्चित कराएं। इसी प्रकार लोक सेवा गारंटी अधिनियम के प्रकरणों की भी समीक्षा करते हुए समय सीमा में निराकरण हेतु निर्देशित किया गया। सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए 50 दिवस से अधिक समयावधि की लंबित शिकायतों के निराकरण हेतु विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना अंतर्गत जिले में चयनित चार ग्रामों की जनपद स्तर पर पांच वर्षो की कार्ययोजना तैयार हो गई है। संभागायुक्त श्री शर्मा ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की समीक्षा करते हुए आवासों का निर्माण कार्य शीघ्रता से पूर्ण कराने के निर्देश देते हुए कहा कि हितग्राहियों को किस्त का भुगतान समय पर हो तथा राशि का उपयोग आवास निर्माण में ही हो यह सुनिश्चित कराएं। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना सहित समग्र सीडिंग कार्य समय से पूर्ण कराने, जनमन योजना और धरती आबा योजना के तहत चिन्हित ग्राम पंचायतों में शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति, एक बगिया मां के नाम, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों तथा पुल-पुलियों का निर्माण, नवीन पंचायत भवनों के निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी लेते हुए कार्य गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया। बैठक में संभागायुक्त श्री शर्मा ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल 2.0 योजना के तहत लंबित आवेदनों पर शीघ्र कार्यवाही करने, प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना में अधिक से अधिक श्रमिकों का पंजीयन सुनिश्चित कराने, पीएम स्वनिधि योजना 2.0 में पथ विक्रेताओं को ऋण उपलब्ध कराने, स्वच्छ भारत मिशन शहरी की स्थिति तथा दूषित पेयजल प्रबंधन हेतु जारी एसओपी अनुसार समस्त कार्यवाहियां पूर्ण करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी की भी समीक्षा करते हुए स्वीकृत आवासों तथा किस्त भुगतान की जानकारी ली। संभागायुक्त श्री शर्मा ने पीएचई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीणों को नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल मिले यह सुनिश्चित कराएं। बारिश में पेयजल दूषित होने से कई बार बीमारियां फैलती हैं। इनकी रोकथाम हेतु हैण्डपम्प, कुएं आदि जल स्त्रोतों के जल के समय-समय पर नमूने लेकर जांच कराएं! उन्होंने सीएमएचओ से दूषित जलजनित बीमारियों की रोकथाम हेतु दवाओं की उपलब्धता की जानकारी लेते हुए सभी स्वास्थ्य केन्द्रों तथा अस्पतालों में इनकी पर्याप्त उपलब्धता हेतु निर्देशित किया। नगरीय निकायों को भी इस संबंध में दिशा-निर्देश दिए गए। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान संभागायुक्त श्री शर्मा ने मूंग उपार्जन की जानकारी लेते हुए कहा कि केन्द्रों पर बेहतर व्यवस्थाएं हों तथा शासन के निर्देशों के अनुरूप ही उपार्जन कराएं। उपार्जित उपज का समय पर सुरक्षित भण्डारण भी सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने जिले में खरीफ फसल की बोवनी, खाद की उपलब्धता तथा वितरण, जिले में संचालित कस्टम हायरिंग सेंटर की भी जानकारी ली। महिला बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने अतिकुपोषित और कुपोषित बच्चों को श्रेणी से बाहर निकालने किए जा रहे प्रयासों, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और लाड़ली लक्ष्मी योजना के क्रियान्वयन की जानकारी ली। इसी प्रकार स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए स्वास्थ्य केन्द्रों में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं तथा दवाओं की उपलब्धता, एनसी रजिस्ट्रेशन, हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं की नियमित स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, टीबी मुक्त भारत अभियान तथा निक्षय मित्र अभियान आदि की जानकारी लेते हुए दिशा-निर्देश दिए। बैठक में संभागायुक्त श्री शर्मा ने पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान जिले में दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करने के लिए कहा। उन्होंने कक्षा प्रथम में इस वर्ष प्रवेशित बच्चों की जानकारी लेते हुए सभी बच्चों को प्रवेशित कराने, शत-प्रतिशत बच्चों को पाठ्य पुस्तकों का वितरण, मिशन अंकुर के तहत मेंटर विजिट प्रगति की जानकारी ली। परिवहन विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने जिला परिवहन अधिकारी को स्कूल बसों की समय-समय पर फिटनेस, मेडिकल किट की उपलब्धता की जांच हेतु निर्देशित किया। इसी प्रकार मत्स्य विभाग, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, वन विभाग, परिवहन विभाग, जल संसाधन सहित अन्य विभागों की समीक्षा कर दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में डीएफओ रायसेन श्रीमती प्रतिभा शुक्ला, डीएफओ औबेदुल्लागंज श्री हेमन्त रायकवार, अपर कलेक्टर श्री मनोज उपाध्याय तथा जिला अधिकारी उपस्थित रहे। अनुभागों से सभी एसडीएम तथा अन्य अधिकारी वीसी के माध्यम से बैठक में उपस्थित रहे।

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, में दीक्षारंभ कार्यक्रम

दीनबन्धु ● संवाददाता
dinbandhunews.com

भोपाल। मध्य प्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशांनुसार बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल, भोपाल में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए आयोजित तीन दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि महाविद्यालय जीवन व्यक्तित्व निर्माण का महत्वपूर्ण चरण है। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, नियमित अध्ययन, नैतिक मूल्यों एवं नवाचार की भावना के साथ अपने शैक्षणिक जीवन को उत्कृष्ट बनाने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020के प्रावधानों को समझाते हुए महाविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम की संयोजक डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव ने दीक्षारंभ कार्यक्रम के उद्देश्यों एवं विभिन्न सत्रों की जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर आईक्यूएसी सदस्य श्री मानवेन्द्र सिंह, पर्यटन विशेषज्ञ श्रीमती मधुमिता नंदी, साहित्यकार डॉ. सुधीर रंजन सिंह तथा मनोचिकित्सक प्रो. रजनीश जैन के प्रेरक एवं ज्ञानवर्धक उद्बोधन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहे। सभी वक्ताओं ने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, व्यक्तित्व विकास, मानसिक स्वास्थ्य, पर्यटन एवं साहित्य के विविध आयामों से परिचित कराया तथा जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक अधिकारी डा अंजना अग्रवाल सहित डा पी एन राज ,डा सुषमा जादौन ,डा.प्रीती मिश्रा ,डा संजय वाकणकर डा मीता बादल ,डा शीला कुमारडा कैलाश ठाकरे,डा अर्चना जैन,डा गीता चौहान,श्री जयंत सूर्यवंशी,डा वर्षा चौहान डा अर्चना गौर ने महाविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्थाओं शैक्षणिक व्यवस्था, पीजी डिप्लोमा ,पुस्तकालय, छात्रवृत्ति एवं योजनाओं आईक्यूएसी, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों, राष्ट्रीय सेवा योजना, करियर मार्गदर्शन तथा अन्य छात्रोपयोगी सुविधाओं की विस्तृत जानकारी भी विद्यार्थियों को प्रदान की गई।

पति लोगों से हाथ जोड़कर दया की गुहार लगाता रहा

महिला के बाल काटे-कपड़े फाड़े-जूतों की माला पहना कर गांव में निकाला जुलूस

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले से इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली एक घटना सामने आई है. यहां एक महिला का कसूर सिर्फ इतना था कि उसने

अपने बच्चों के हक और पैतृक संपत्ति में हिस्सा मांगा. इसी बात से नाराज होकर उसके पूर्व पति, ससुराल पक्ष और कुछ ग्रामीणों ने उसके साथ ऐसी बर्बरता की, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया. महिला के बाल काटे गए, उसके कपड़े फाड़े और जूतों की माला पहनाकर उसे गांव में घुमाया गया. इस दौरान उसका दूसरा लेकिन किसी ने उनकी मदद नहीं की। यह पूरी घटना उज्जैन जिले की झारड़ा तहसील के हरनिया खेड़ा गांव की बताई जा रही है. घटना तीन दिन पहले हुई थी, लेकिन गुरुवार को इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ. वीडियो सामने आते ही पुलिस विभाग हरकत में आया और मामले में ताबड़तोड़ कार्रवाई शुरू कर दी। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि महिला के सिर के बाल काट दिए गए हैं. उसके गले में जूतों की माला डाली गई है और वह फटे हुए कपड़ों में अर्धनग्न अवस्था में खड़ी दिखाई दे रही है. उसके साथ उसका दूसरा पति भी मौजूद है. दोनों को गांव में घुमाया जा रहा है. महिला का पति बार-बार हाथ जोड़कर लोगों से दया की अपील करता नजर आता है, लेकिन वहां मौजूद किसी शख्स ने आगे बढ़कर उनकी मदद नहीं की. कई लोग पूरी घटना का वीडियो बनाते रहे। जानकारी के अनुसार करीब तीन साल पहले महिला ने अपने पहले पति का घर छोड़ दिया था और बाद में दूसरे युवक से शादी कर ली थी. वह अपने दो बच्चों के साथ अलग रह रही थी. कुछ दिन पहले वह अपने बच्चों के अधिकार और पैतृक संपत्ति में हिस्सा मांगने के लिए अपने पूर्व ससुराल पहुंची थी. आरोप है कि इसी बात से नाराज होकर पूर्व पति, ससुर और परिवार के अन्य लोगों ने गांव के कुछ लोगों के साथ मिलकर महिला और उसके दूसरे पति को पकड़ लिया। इसके बाद महिला के बाल काटे गए, उसके कपड़े फाड़ दिए गए और उसकी लज्जा भंग की गई. इसके बाद भी आरोपियों का गुस्सा शांत नहीं हुआ. महिला और उसके दूसरे पति के गले में जूतों की माला पहनाई गई और पूरे गांव में उनका जुलूस निकाला गया. इस दौरान कई ग्रामीण तमाशबीन बने रहे. किसी ने भी महिला को बचाने या आरोपियों को रोकने की कोशिश नहीं की. घटना की जानकारी मिलने के बाद डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को सुरक्षित वहां से बाहर निकाला. इसके बाद पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज किया और जांच शुरू कर दी। उज्जैन के एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि पीड़ित महिला पिछले तीन से चार वर्षों से अपने दो बच्चों के साथ अलग रह रही थी. वह अपने बच्चों के अधिकार और पैतृक संपत्ति में हिस्सा मांगने गांव पहुंची थी. इसी बात से नाराज होकर उसके पूर्व पति, ससुर और अन्य परिजनों ने गांव के कुछ लोगों के साथ मिलकर उसके साथ यह शर्मनाक घटना की। एसपी ने बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर पूर्व पति, ससुर समेत 11 नामजद आरोपियों के खिलाफ विभिन्न गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है।

ऐशबाग थाना पुलिस ने दो शातिर वाहन चोरों की गिरफ्तार

भोपाल। राजधानी भोपाल में ऐशबाग थाना पुलिस ने दो शातिर वाहन चोरों गिरफ्तार किया है जिनके पास से पुलिस को लाखों रुपए के चोरी के ऑटो जप्त किए है। थाना प्रभारी संदीप पवार ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 06.06. 26 फरियादिया तबस्सुम खान पति मोहम्मद अशरफ उम्र 35 साल नि.म.न. 03 गली न. 01 सरफराज मस्जिद के पास , बरखेड़ी थाना जहाँगीराबाद भोपाल ने थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट किया कि मेरा ई रिक्शा को नासिर की पार्किंग बोगदा पुल मोरारजी नगर थाना ऐशबाग भोपाल में खड़ा किया था जिसे कोई अज्ञात चोर चोरी करके ले गया है की । पुलिस ने मामला पंजीबध्द किया वही दिनांक 02.07.26 को फरियादी उदय रैकवार पिता रमेश रैकवार उम्र 20 साल नि. म.न. 27 गली नं. 02 संतोषी माता मंदिर ऐशबाग भोपाल द्वारा बताया की मेरा बजाज कंपनी का सीएनजी आटो रजि.न. MP04RC0562 को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी संदीप पवार ने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर एक विशेष टीम गठित की । वही पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए घटना स्थल के आसपास की सघन गलियों में चैकिंग कर आने जाने वाले रास्तो में लगे लगभग डेढ दर्जन कैमरो को खंगाला एवं सी.सी.टी.व्ही फुटेज का अवलोकन कर घटना स्थल के आसपास पूछताछ कर आरोपियों की तलाश की गई। वही पुलिस को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि चोरी गया बजाज कंपनी के ऑटो का आरोपी चोरी के फिराक में ओल्ड सुभाष नगर क्षेत्र मे घूम रहा है। जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा जिसे घेराबंदी कर पकड़ा नाम पता पूछने पर अपना नाम रानू उर्फ मसरूर हुसेन पिता मकसूद उम्र 31 वर्ष निवासी म.न. 137 पुतली घर तिराहा थाना टीलाजमालपुरा का बताया जिससे बजाज कंपनी का सीएनजी आटो रजि.न. MP04RC0562 के सबंध मे पूछताछ की गई जिसने ओम अस्पताल के सामने से चोरी करना बताया। समक्ष गवाहान आरोपी रानू उर्फ मसरूर की विधिवत गिरफ्तार की गई। तथा मेमोरण्डम के आधार पर आरोपी के साथी सह आरोपी अब्दुल कलाम अँसारी पिता शमसु उम्र 38 साल कर कलाम अँसारी विधिवत गिरफ्तारी की गई।

कार्यवाही... एलन इंस्टीट्यूट, इंद्रपुरी स्थित अय्यूब खान कोचिंग पर नगर निगम ने की कार्यवाही

निर्धारित मानकों अनुसार अग्नि सुरक्षा प्रबंधन पाए जाने पर 6 संस्थानों को किया सील

दीनबन्धु ● संवाददाता
dinbandhunews.com

भोपाल। नगर निगम द्वारा विभिन्न संस्थानों में अग्नि सुरक्षा प्रबंध निर्धारित मानकों अनुसार सुनिश्चित कराने तथा अग्नि सुरक्षा के व्यापक प्रबंध न करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में शुक्रवार को निगम अमले द्वारा लालघाटी एवं इंद्रपुरी क्षेत्र के विभिन्न संस्थानों में अग्नि सुरक्षा प्रबंध की जांच की गई और संस्थानों को पूर्व में दिये गये नोटिसों पर किये गये अग्नि सुरक्षा प्रबंधों की जानकारी प्राप्त की। जांच के दौरान लालघाटी स्थित एलन इंस्टीट्यूट तथा इंद्रपुरी गोयल टॉवर स्थित अय्यूब खान कोचिंग, श्रेयांश कोचिंग, कीर्तिमान अकादमी, एब्सिल्यूट इंस्टीट्यूट व एनआईटीडीपी टेक्निंग आनलाईन इंस्टीट्यूट में निर्धारित मानकों अनुसार अग्नि सुरक्षा प्रबंध नहीं पाए जाने पर उक्त 06 संस्थानों को सील करने की कार्यवाही की। निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देश पर निगम के फॉयर ब्रिगेड व राजस्व विभाग के अमले द्वारा शहर के विभिन्न अस्पतालों, नर्सिंग होम्स, कोचिंग क्लासेस सहित अन्य संस्थानों में अग्नि सुरक्षा प्रबंधों की जांच हेतु सघन अभियान के तहत निगम अमले ने लालघाटी क्षेत्र स्थित भवन क्र. 89 एलन करियर इंस्टीट्यूट प्रा.लि. में अग्नि सुरक्षा प्रबंध की जांच की। जांच के दौरान भवन में आपातकालीन सीढ़ियां नहीं पाई गई और न ही फायर हाईडेंट पैनल आटोमोड नहीं पाया गया और पैनल सेप्रेट जनरेटर से जुड़ा नहीं पाये जाने पर उक्त इंस्टीट्यूट के भवन को रिक्त कराकर सील/तालाबंदी की कार्यवाही की। इसी प्रकार निगम अमले ने इंद्रपुरी भूखण्ड क्र. 86 पर गोयल टॉवर में संचालित संस्थानों में फायर सेफ्टी संबंधी निरीक्षण किया गया। संपूर्ण भवन में कहीं भी आपातकालीन सीढ़ियां, नहीं पाई गई और यहां लगे अग्निशमन यंत्र वैद्य तिथि के नहीं पाए गए और इमारत में सुगम वेंटिलेशन की व्यवस्था भी नहीं पाई गई जबकि भवन में नेशनल बिल्डिंग कोड-2016 के प्रावधान अनुसार अग्नि सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाना थीं। उक्त अग्नि सुरक्षा प्रबंध न होने पर गोयल टॉवर स्थित अय्यूब खान कोचिंग, श्रेयांश कोचिंग, कीर्तिमान अकादमी, एब्सिल्यूट इंस्टीट्यूट व एनआईटीडीपी टेक्निंग आनलाईन इंस्टीट्यूट को रिक्त कराकर सील करने की कार्यवाही की। उपरोक्त कार्यवाही पूर्व निगम द्वारा गत 25 जून 2026 को संस्थाओं में निर्धारित मानकों अनुसार अग्नि सुरक्षा प्रबंध करने हेतु नोटिस जारी किये गये थे परंतु संस्थाओं के संचालकों द्वारा अग्नि सुरक्षा प्रबंध की कमियों को दूर नहीं किया गया। निर्धारित समयावधि में अग्नि सुरक्षा प्रबंध न किये जाने पर उक्त संस्थानों को सील करने की कार्यवाही की।

न्यूज ब्रीफ

ज्योतिष मठ संस्थान का ज्योतिष सम्मेलन 11,12 जुलाई को भोपाल में, देश भर के 300 से ज्यादा धर्माचार्य,संत, महंत और ज्योतिषाचार्य होंगे शामिल

भोपाल। मैप कास्ट विज्ञान भवन नेहरू नगर, नियर, खुशीलाल आयुर्वेदिक हॉस्पिटल भोपाल में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी विशाल ज्योतिष सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जिसकी तैयारियां जोरो पर चल रही है। कार्यक्रम की विशेष सहयोगी आचार्य रजनीनंदा निखिल तंत्राचार्य ने विशेष वार्ता में बताया कि, ये भोपाल में प्रतिवर्ष होने वाला सबसे बड़ा और विशिष्ट कार्यक्रम है, इसमें देश के लगभग 300 से ज्यादा धर्माचार्य,संत, महंत और ज्योतिष में विभिन्न् विधाओं के विद्वान सम्मलित होते हैं। इस वर्ष भी बड़ी संख्या में विद्वान ज्योतिषाचार्य शामिल होंगे । कार्यक्रम का उद्देश्य ज्योतिष को जन सामान्य तक पहुँचाना, ज्योतिष के बारे में फैली भ्रांति को दूर कर अनेक पंचांगकर्ता के माध्यम से तिथि, मुहूर्त और ग्रह नक्षत्र का सही आकलन कैसे किया जाए, जिससे त्योहार के सही मुहूर्त निश्चित हो, और विभिन्न विधाओं द्वारा जन सामान्य की समस्या का समाधान इत्यादि । इस सम्मेलन के मुख्य आयोजक पंडित आचार्य विनोद गौतम गुरु जी के माध्यम से ये कार्यक्रम अत्यंत भव्य और विराट रूप संपन्न होता है। सभी आम जनता से अनुरोध और निवेदन है कि ऐसे भव्य आयोजन में अवश्य पधारें ।

महापौर ने किया ई-बस चार्जिंग डिपो का निरीक्षण, जल्द संचालन शुरू करने के निर्देश

भोपाल। भोपाल महापौर मालती राय ने शुक्रवार को संत हिरदाराम नगर में निर्माणाधीन ई-बस चार्जिंग डिपो का निरीक्षण कर वहां चल रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी शेष कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार शीघ्र पूरा कर डिपो का संचालन जल्द शुरू करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान महापौर ने मेंटेनेंस वर्कशॉप में चल रहे सिविल कार्यों, प्रशासनिक इकाई की फिनिशिंग, ई-बस चार्जिंग व्यवस्था, बसों के आवागमन और पार्किंग प्रबंधन की जानकारी ली। उन्होंने वर्कशॉप के सभी लंबित कार्यों को तेजी से पूरा करने तथा मुख्य द्वार के बाहर पैवर ब्लॉक लगाने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर अपर आयुक्त अंजू अरुण कुमार, महापौर परिषद सदस्य मनोज राठौर सहित नगर निगम और बीसीएलएल के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने महापौर को बताया कि भोपाल में शीघ्र ही 65 नई ई-बसें आने वाली हैं। डिपो में स्थापित चार्जिंग स्टेशन पर एक बस को पूरी तरह चार्ज होने में लगभग एक से सवा घंटे का समय लगेगा। महापौर मालती राय ने कहा कि ई-बस डिपो के शुरू होने से शहर में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा पर्यावरण अनुकूल यातायात को बढ़ावा मिलेगा।

फायर सेफ्टी में खामियां मिलने पर छह कोचिंग संस्थान सील, नगर निगम की बड़ी कार्रवाई

भोपाल। भोपाल नगर निगम ने अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले संस्थानों के खिलाफ अभियान तेज करते हुए शुक्रवार को छह शिक्षण संस्थानों को सील कर दिया। जांच के दौरान निर्धारित फायर सेफ्टी इंतजाम नहीं मिलने पर यह कार्रवाई की गई। नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर फायर ब्रिगेड और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने लालघाटी और इंद्रपुरी क्षेत्र में संचालित कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने पूर्व में जारी नोटिसों के अनुपालन की भी समीक्षा की। जांच के दौरान लालघाटी स्थित एलन करियर इंस्टीट्यूट में आपातकालीन सीढ़ियों का अभाव, फायर हाइड्रेंट पैनल के ऑटो मोड में नहीं होने और उसे अलग जनरेटर से नहीं जोड़े जाने जैसी गंभीर खामियां पाई गईं। इसके बाद भवन खाली कराकर उसे सील कर दिया गया। इसी तरह इंद्रपुरी स्थित गोयल टॉवर में संचालित अय्यूब खान कोचिंग, श्रेयांश कोचिंग, कीर्तिमान अकादमी, एब्सिल्यूट इंस्टीट्यूट और एनआईटीडीपी ट्रेनिंग ऑनलाइन इंस्टीट्यूट में भी फायर सेफ्टी मानकों का उल्लंघन पाया गया। निरीक्षण में भवन में आपातकालीन सीढ़ियां नहीं मिलीं, अग्निशमन यंत्रों की वैधता समाप्त पाई गई तथा पर्याप्त वेंटिलेशन की व्यवस्था भी नहीं थी। नेशनल बिल्डिंग कोड-2016 के अनुरूप सुरक्षा प्रबंध नहीं मिलने पर इन सभी संस्थानों को खाली कराकर सील कर दिया गया। नगर निगम के अनुसार, इन संस्थानों को 25 जून 2026 को अग्नि सुरक्षा संबंधी कमियां दूर करने के लिए नोटिस जारी किए गए थे। निर्धारित समय सीमा बीतने के बावजूद आवश्यक सुधार नहीं किए जाने पर यह कार्रवाई की गई। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि शहर के अस्पतालों, नर्सिंग होम, कोचिंग संस्थानों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा मानकों की जांच का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

नाथू बरखेड़ा अंतरराष्ट्रीय खेल कॉम्प्लेक्स में 25 जुलाई से होगी अग्निवीर सेना भर्ती रैली

दीनबन्धु, भोपाल
dinbandhunews.com

अभ्यर्थियों के लिए सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आगामी अग्निवीर सेना भर्ती रैली की तैयारियों के संबंध में समन्वय बैठक आयोजित की गई। यह भर्ती रैली 25 जुलाई से 6 अगस्त तक नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल कॉम्प्लेक्स में आयोजित होगी। बैठक की अध्यक्षता अपर कलेक्टर महेंद्र सिंह कवचे एवं सेना भर्ती कार्यालय के भर्ती निदेशक कर्नल जयशंकर सिंह ने संयुक्त रूप से की। बैठक में आयोजन से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री महेंद्र सिंह कवचे ने भर्ती रैली के महत्व और संवेदनशीलता को रेखांकित करते हुए सभी विभागों को समन्वय के साथ समयबद्ध एवं प्रभावी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रसेवा का संकल्प लेकर आने वाले प्रत्येक

अभ्यर्थी को भर्ती प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े, यह जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों का गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अपर कलेक्टर श्री कवचे ने आयोजन स्थल पर अभ्यर्थियों के लिए सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया।

उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, विद्युत वितरण कंपनी, नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग एवं पुलिस प्रशासन को शुद्ध पेयजल, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, अस्थायी विश्राम व्यवस्था, पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं, एम्बुलेंस, सुगम यातायात प्रबंधन तथा सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही नगर निगम को परिसर में व्यापक साफ-सफाई एवं पर्याप्त चलित शौचालयों की व्यवस्था समय पर पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया गया।

सेना भर्ती कार्यालय (ऋ्ह) के भर्ती निदेशक कर्नल जयशंकर सिंह ने बैठक में भर्ती प्रक्रिया के विभिन्न तकनीकी पहलुओं एवं सेना की आवश्यकताओं की विस्तृत जानकारी देते हुए जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे समन्वित प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रशासन और सेना के बेहतर तालमेल से भर्ती रैली पारदर्शी, व्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न होगी।

कलेक्टर एवं पुलिस आयुक्त ने इंटिग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम का किया निरीक्षण

एआई आधारित इंटिग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम विकसित करने के दिए निर्देश

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में ब्लैक स्पॉट सुधार, हेलमेट अभियान और अतिक्रमण हटाने लिए निर्णय

दीनबन्धु, भोपाल
dinbandhunews.com

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक स्मार्ट सिटी कार्यालय भोपाल में आयोजित हुई। बैठक में पुलिस आयुक्त संजय कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक से पहले कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा एवं पुलिस आयुक्त श्री कुमार ने इंटिग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (ढ्ढञ्जरूस्) की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया तथा इसे और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं आधुनिक बनाने के लिए ढ्ढ आधारित तकनीकों के उपयोग के निर्देश दिए । उन्होंने सड़क सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कर शहर की यातायात व्यवस्था को और अधिक सुगम एवं सुरक्षित बनाने पर बल दिया।

बैठक में जिले के चिन्हित 16 ब्लैक स्पॉट की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि 1250 चौराहा, हबीबगंज, 1100 क्वार्टर तथा व्यापम - तरुण पुष्कर क्षेत्र में सुधार कार्य प्रगति पर हैं। कलेक्टर ने गोविंदपुरा, ट्रेनिंग सेंटर एवं आईएसबीटी क्षेत्र के कार्य तत्काल प्रारंभ करने तथा अन्य स्वीकृत लेफ्ट टर्न निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने शहर में ई-रिक्शा संचालन को सुव्यवस्थित करने, आवश्यकतानुसार रूट डायवर्जन लागू करने तथा मुख्य मार्गों एवं फुटपाथों से अतिक्रमण हटाने के लिए पुलिस, संबंधित एसडीएम एवं नगर निगम को संयुक्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

बैठक में प्रधानमंत्री राहत योजना के अंतर्गत सड़क दुर्घटना पीड़ितों को समयबद्ध सहायता उपलब्ध कराने की समीक्षा भी की गई। बताया गया कि जिले में अब तक 174 प्रकरण प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 110 मामलों को स्वीकृति प्रदान कर पात्र हितग्राहियों को राहत राशि वितरित की जा चुकी है। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग, पुलिस एवं एनआईसी के बेहतर समन्वय के साथ शेष मामलों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सड़क सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए समिति ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। शहर के मल्टीप्लेक्स एवं सिनेप्लेक्स में हेलमेट उपयोग संबंधी लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। आईटीएमएस के माध्यम से चयनित अवसरों पर हेलमेट पहनने वाले वाहन चालकों को प्रोत्साहन स्वरूप स्थानीय रेस्टोरेंट के कूपन प्रदान किए जाएंगे। साथ ही सभी शासकीय विभागों में विभागाध्यक्ष अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा शत-प्रतिशत हेलमेट उपयोग सुनिश्चित करेंगे। पुलिस एवं जिला सड़क सुरक्षा समिति द्वारा समय-समय पर जागरूकता अभियान भी संचालित किए जाएंगे।

पुलिस आयुक्त श्री संजय कुमार ने निर्देश दिए कि जिले के प्रमुख चौराहों पर स्टॉप लाइन, जेब्रा क्रॉसिंग तथा मानक अनुरूप स्पीड ब्रेकर का निर्माण प्राथमिकता से कराया जाए। बैठक में नादरा बस स्टैंड को नवीन बस स्टैंड परिसर में स्थानांतरित करने संबंधी प्रस्ताव शासन को भेजने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए ब्लैक स्पॉट सुधार, इंटिग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम का प्रभावी संचालन, सड़क किनारे अतिक्रमण हटाना, गोल्डन ऑवर के दौरान दुर्घटना पीड़ितों को त्वरित एवं नि:शुल्क उपचार उपलब्ध कराना तथा बिना हेलमेट, मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए वाहन चलाने एवं रॉन्ग साइड ड्राइविंग करने वालों के विरुद्ध आईटीएमएस आधारित सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रखी जाएगी।

जनसुनवाई के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजनों से संवाद

भोपाल। मध्य प्रदेश शासन के मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजनों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देकर कई मामलों का मौके पर ही त्वरित समाधान कराया। मंत्री पटेल ने कहा कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध और प्रभावी निराकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए उनकी बातों को ध्यानपूर्वक सुना तथा जिन मामलों का तत्काल समाधान संभव नहीं था, उन्हें संबंधित विभागों को शीघ्र निराकरण के लिए भेजने के निर्देश दिए।

अब पॉवर जनरेटिंग कंपनी के कार्मिकों के घरों पर चमकेगी सौर ऊर्जा : ऊर्जा मंत्री तोमर

दीनबन्धु, भोपाल
dinbandhunews.com

मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शुक्रवार को बताया कि मध्य प्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड (एमपीपीजीसीएल) ने अपने कार्मिकों के लिए एक महत्वपूर्ण और दूरगामी पहल करते हुए सोलर रूफटॉप प्लांट योजना लागू की है।

ऊर्जा विभाग के निर्देशों के अनुरूप जारी इस योजना से कंपनी के सभी नियमित कार्मिकों को अपने आवास पर सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित कराने की सुविधा मिलेगी।

सरल प्रक्रिया और सर्वाधिक लाभ

ऊर्जा मंत्री ने बताया कि अब इच्छुक कार्मिक प्रदेश की संबंधित विद्युत वितरण कंपनी (डिस्कॉम) की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे और सूचीबद्ध विक्रेताओं में से अपनी पसंद के विक्रेता का चयन कर सोलर प्लांट स्थापित करा सकेंगे। पूरी प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाया गया है ताकि अधिक से अधिक कार्मिक इसका लाभ उठा सकें। इस योजना के तहत 3 किलोवाट तक की क्षमता वाले सोलर रूफटॉप प्लांट की स्थापना के लिए विद्युत वितरण कंपनी पात्रता के अनुसार निर्धारित राशि का 50 प्रतिशत सीधे चयनित विक्रेता को देगी। शेष राशि संयंत्र की सफल स्थापना एवं आवश्यक प्रमाणन के बाद जारी की जाएगी। इससे कार्मिकों पर एकमुश्त वित्तीय भार कम होगा और सौर ऊर्जा अपनाने की प्रक्रिया आसान बनेगी।

सोलर रूफटॉप योजना लागू, हजारों को मिलेगा लाभ; हरित ऊर्जा अभियान को मिलेगी नई गति

छात्रों की गूंज' अभियान के तहत कांग्रेस ने निकाली श्रद्धांजलि यात्रा, शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता की उठाई मांग

दीनबन्धु, भोपाल
dinbandhunews.com

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में कांग्रेस के 'छात्रों की गूंज' अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को नीट पेपर लीक प्रकरण और उससे जुड़े घटनाक्रमों के संदर्भ में जान गंवाने वाले विद्यार्थियों की स्मृति में श्रद्धांजलि यात्रा निकाली गई। यात्रा सर्वधर्म विशाल मेगा मार्ट, कोलार से प्रारंभ होकर मंदाकिनी चौराहा, मानसरोवर यूनिवर्सिटी होते हुए बीमा कुंज पर संपन्न हुई।

श्रद्धांजलि यात्रा के दौरान विभिन्न प्रमुख चौराहों पर दिवंगत विद्यार्थियों की स्मृति में कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत विद्यार्थियों को श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, निष्पक्ष परीक्षा प्रणाली और विद्यार्थियों के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। अभियान के तहत आगामी दिनों में भोपाल के विभिन्न क्षेत्रों में श्रद्धांजलि यात्राएं एवं जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य एवं पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल तथा एआईसीसी कॉर्डिनेटर एवं अभियान संयोजक

अंशुल त्रिवेदी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर कमलेश्वर पटेल ने कहा कि देश का छात्र केवल परीक्षाओं की चुनौती ही नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों का भी सामना कर रहा है।

उन्होंने कहा कि लगातार सामने आ रहे पेपर लीक और परीक्षा संबंधी विवादों से युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है तथा कांग्रेस शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग को लेकर संघर्ष जारी रखेगी।

अभियान संयोजक अंशुल त्रिवेदी ने कहा कि 'छात्रों की गूंज' विद्यार्थियों के अधिकारों और उनके भविष्य से जुड़े मुद्दों को लेकर चलाया जा रहा अभियान है।

उन्होंने कहा कि श्रद्धांजलि यात्रा के माध्यम से दिवंगत विद्यार्थियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई है तथा आने वाले समय में इस अभियान का विस्तार कर छात्रों की आवाज़ को व्यापक स्तर तक पहुंचाया जाएगा। एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे ने कहा कि प्रत्येक छात्र निष्पक्ष परीक्षा और सुरक्षित भविष्य का अधिकार रखता है।

उन्होंने कहा कि 'छात्रों की गूंज' अभियान के माध्यम से छात्रों की आवाज़ को प्रदेश के प्रत्येक कॉलेज और विश्वविद्यालय तक पहुंचाया जाएगा। इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, संगठन महासचिव अभिषेक शर्मा, एनएसयूआई उपाध्यक्ष रवि परमार, जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर, ब्लॉक कांग्रेस कोलार अध्यक्ष राहुल राठौड़ सहित कांग्रेस, एनएसयूआई के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संपादक की कलम से.... संपादकीय

स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति के प्रेरणा पुंज

विवेकानन्द जिन्हें उस दौर में नरेन्द्रनाथ नाम से पुकारा जाता था एक ऐसा नाम है जिन्होंने करिश्माई व्यक्तित्व के किरदार को एक दौर में जिया। आज भी लोग गर्व से उनका नाम लेते हैं और युवा दिलों में वह एक आयकन की भांति बसते हैं। इतिहास के पन्नों में विवेकानंद का दर्शन उन्हें एक ऐसे महाज्ञानी व्यक्तित्व के रूप में जगह देता है जिसने अपने ओजस्वी विचारों के द्वारा दुनिया के पटल पर भारत का नाम बुलंदियों के शिखर पर पहुँचाया। उनके द्वारा दिया गया वेदान्त दर्शन भारतीय दर्शन की एक अनमोल धरोहर है। अपने गुरु के नाम पर विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन तथा रामकृष्ण मठ की स्थापना की। विश्व में भारतीय दर्शन विशेषकर वेदांत और योग को प्रसारित करने में विवेकानंद की महत्त्वपूर्ण भूमिका है, साथ ही राष्ट्रवाद को अध्यात्म से जोड़ने में इनकी भूमिका महत्त्वपूर्ण मानी जाती है। विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कलकत्ता में विश्वनाथ और भुवनेश्वरी देवी के घर हुआ था। बचपन में नरेन्द्रनाथ नाम से जाने जाने वले विवेकानंद काफी चंचल प्रवृति के थे। उनकी माता भगवान की अनन्य उपासक थी लिहाजा माँ के सानिध्य में वह भी ईश्वर प्रेमी हो गए। बचपन में विवेकानंद की माँ इन्हें रामायण की कहानी सुनाती थी तो इसको यह बड़ी तन्मयता से सुनते थे। रामायण में हनुमान के चरित्र ने उस दौर में इनके जीवन को खासा प्रभावित किया साथ ही अपनी माँ की तरह वह भी शिवशंकर के अनन्य भक्त हो गए। कई बार वह शिव से सीधा साक्षात्कार करते मालूम पड़ते थे और अपनी माँ से कहा करते कि उनमे शंकर का वास है। यह सब सुनकर इनकी माँ चिंतित हो उठती कि उनका यह बेटा कहीं बाबा सन्यासी ना बन जाए। बचपन से ही नरेन्द्रनाथ पढ़ाई लिखाई में रूचि लेने लगे। पढ़ाई में यह अव्वल दर्जे के छात्र थे इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है जो चीज एक बार यह पढ़ लेते उसे कभी भूलते नहीं थे। युवावस्था में उन्हें पाश्चात्य दार्शनिकों के निरीश्वर भौतिकवाद तथा ईश्वर के अस्तित्व में दृढ़ भारतीय विश्वास के कारण गहरे द्वंद से गुजरना पड़ा। परमहंस जी जैसे जौहरी ने रत्न को परखा। उन दिव्य महापुरुष के स्पर्श ने नरेन्द्र को बदल दिया। इसी समय उनकी भेंट अपने गुरु रामकृष्ण से हुई, जिन्होंने पहले उन्हें विश्वास दिलाया कि ईश्वर वास्तव में है और मनुष्य ईश्वर को पा सकता है। रामकृष्ण ने सर्वव्यापी परमसत्य के रूप में ईश्वर की सर्वोच्च अनुभूति पाने में नरेंद्र का मार्गदर्शन किया और उन्हें शिक्षा दी कि सेवा कभी दान नहीं, बल्कि सारी मानवता में निहित ईश्वर की सचेतन आराधना होनी चाहिए। यह उपदेश विवेकानंद के जीवन का प्रमुख दर्शन बन गया। उस शक्तिपात के कारण कुछ दिनों तक नरेन्द्र उन्मत्त-से रहे। उन्हें गुरु ने आत्मदर्शन करा दिया था। 25 वर्ष की अवस्था में नरेन्द्रदत्त ने भगवा वस्त्र को धारण किया। अपने गुरु से प्रेरित होकर नरेंद्रनाथ ने सन्यासी जीवन बिताने की दीक्षा ली और स्वामी विवेकानंद के रूप में दुनिया में जाने गए। जीवन के आलोक को जगत के अन्धकार में भटकते प्राणियों के समक्ष उन्हें उपस्थित करना था। स्वामी विवेकानंद ने पैदल ही पूरे भारत की यात्रा की गुरुजनों के प्रति इनका सम्मान उस दौर में भी देखते ही बनता था। बड़े होने पर भी गुरु से इनका लगाव बना रहा। विवेकानंद का मानना था कि जीवन में सफल होने के लिए अच्छा गुरु मिलना जरुरी है क्युकि गुरु ही अन्धकार से ज्ञान के प्रकाश की तरफ ले जाता है। बचपन से ही गुरु के अलावे आध्यात्मिक चीजों की तरफ इनका झुकाव हो गया और इसी दौरान मुलाकात रामकृष्ण परमहंस से हुई जिन्होंने इन्हें अपना मानस पुत्र घोषित कर दिया। परमहंस की दी हुई हर शिक्षा को विवेकानंद ने अपने जीवन में ना केवल उतारा बल्कि लोगो को भी इसके जरिये कई सन्देश दिए जिसने आगे बदने की राह खोली। 11 सितंबर सन 1893 के उस दिन उनके अलौकिक तत्वज्ञान ने पाश्चात्य जगत को चौंका दिया। अमेरिका ने स्वीकार कर लिया कि वस्तुतः भारत ही जगद्गुरु था और रहेगा। स्वामी विवेकानन्द ने वहाँ भारत और हिन्दू धर्म की भव्यता स्थापित करके जबरदस्त प्रभाव छोड़ा। 11 सितम्बर 1893 का दिन इतिहास में अमर है। इस दिन अमेरिका में विश्व धर्म सम्मलेन का आयोजन किया जिसमे दुनिया के कोने कोने से लोगो ने शिरकत की। उस दौर में भारत के प्रतिनिधित्व की जिम्मेदारी इन्ही के कंधो पर थी। गेरुए कपडे पहने विवेकानन्द ने अपनी वाणी से वहां पर मौजूद जनसमुदाय को मंत्र मुग्ध कर दिया। जहाँ सभी अपना भाषण लिखकर लाये थे वहीँ विवेकानंद ने अपना मौखिक भाषण दिया। दिल से जो निकला वही बोला और जनसमुदाय के अंतर्मन को मानो झंकृत ही कर डाला। उनके शालीन अंदाज ने लोगों को उन्हें सुनने को मजबूर कर दिया। धर्म की व्याख्या करते हुए वह बोले जैसे सभी नदियां अंत में समुद्र में जाकर मिलती है वैसे ही दुनिया में अलग अलग धर्म अपनाने वाले मनुष्य को एक न एक दिन ईश्वर की शरण में जाकर ही लौटना पड़ता है। सिस्टर्स ऐंड ब्रदर्स ऑफ अमेरिका के संबोधन के साथ अपने भाषण की शुरूआत करते ही 7000 प्रतिनिधियों ने तालियों के साथ उनका स्वागत किया। 17 सितम्बर 1893 को शिकागो में धर्म सभा में उन्होंने भारत को हिन्दू राष्ट्र के नाम से सम्बोधित किया और स्वयं के हिन्दू होने पर गर्व महसूस किया। उन्होंने सभा को बताया हिन्दू धर्म पर प्रबंध ही हिन्दुत्व की राष्ट्रीय परिभाषा है। उन्होंने सभी हिन्दुओं को सब भेदों से ऊपर उठकर अपनी राष्ट्रीय पहचान पर गर्व करने का ककहरा ना केवल सुनाया बल्कि दुनिया में भारत के नाम के झंडे गाड़ दिए। उन्होंने न्यूयॉर्क में लगभग दो वर्ष व्यतीत किये जहाँ वर्ष 1894 में पहली वेदांत सोसाइटी की स्थापना की। विवेकानंद का विचार है कि सभी धर्म एक ही लक्ष्य की ओर ले जाते हैं, जो उनके आध्यात्मिक गुरु श्री रामकृष्ण परमहंस के आध्यात्मिक प्रयोगों पर आधारित है। परमहंस रहस्यवाद के इतिहास में अद्वितीय स्थान रखते हैं, जिनके आध्यात्मिक अभ्यासों में यह विश्वास निहित है कि सगुण और निर्गुण की अवधारणा के साथ ही ईसाईयत और इस्लाम के आध्यात्मिक अभ्यास आदि सभी एक ही बोध या जागृति की ओर ले जाते हैं।शिकागो के अपने प्रवास के दौरान स्वामी विवेकानंद ने तीन चीजों पर जोर दिया। पहला, उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा न केवल सहिष्णुता बल्कि सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करने में विश्वास रखती है। दूसरा, उन्होंने स्पष्ट और मुखर शब्दों में इस बात पर बल दिया कि बौद्ध धर्म के बिना हिंदू धर्म और हिंदू धर्म के बिना बौद्ध धर्मं अपूर्ण है। तीसरा, यदि कोई व्यक्ति केवल अपने धर्म के अनन्य अस्तित्व और दूसरों के धर्म के विनाश का स्वप्न रखता है तो मैं हृदय की गहराइयों से उसे दया भाव से देखता हूँ और उसे इंगित करता हूँ कि विरोध के बावजूद प्रत्येक धर्म के झंडे पर जल्द ही संघर्ष के बदले सहयोग, विनाश के बदले सम्मिलन और मतभेद के बजाय सद्भाव व शांति का संदेश लिखा होगा। जिस समय शिकागो में 1893 में धर्म सम्मेलन हुआ ,उस समय पाश्चात्य जगत भारत को हीन दृष्टि से देखता था। वहां के लोगों ने बहुत प्रयास किया कि विवेकानंद को सर्वधर्म परिषद् में बोलने का समय ही ना मिले, मगर एक अमेरिकी प्रोफेसर के प्रयास से उन्हें थोडा समय मिला। भारतीय दर्शन के बिना विश्व अनाथ हो जायेगा कहकर स्वामी जी ने पुनः भारत को विश्व गुरु पद पर प्रतिष्ठित कर दिया। गुरुदेव रविंदर नाथ टैगोर ने विवेकानन्द के बारे में कहा है यदि आप भारत को जानना चाहते हैं तो विवेकानंद को पढ़िए। मद्रास की एक सभा को संबोधित करते हुए स्वामीजी ने कहा भारत की समस्या अन्य देशों की समस्याओं की तुलना से ज्यादा पेचीदा है। जात, धर्म, भाषा, सरकार ये सब मिलकर राष्ट्र बनता है। फिर भारत जैसे राष्ट्र का एक अनोखा इतिहास है जहां आर्य, द्रविड़, मुसलमान मुगल एवं यूरोपीय साथ-साथ बसते हैं बावजूद हमारे में एक पवित्र बंधन, पवित्र परम्परा रह 1894 में न्यूयार्क में उन्होंने वेदांत सोसाईटी बनाई। सन् 1896 तक वे अमेरिका रहे। उन्हीं का व्यक्तित्व था, जिसने भारत एवं हिन्दू-धर्म के गौरव को प्रथम बार विदेशों में जागृत किया। स्वामी विवेकानन्द कहा करते थे- मैं कोई तत्ववेत्ता नहीं हूँ। न तो संत या दार्शनिक ही हूँ। मैं तो गरीब हूँ और गरीबों का अनन्य भक्त हूँ। मैं तो सच्चा महात्मा उसे ही कहूँगा, जिसका हृदय गरीबों के लिये तड़पता हो। जीवन के अंतिम पडाव पर परमहंस सरीखे गुरु ने जब विवेकानंद को अपने पास बुलाया और कहा अब मेरे जाने की घड़ी आ गई है तो विवेकानंद बड़े भावुक हो गए लेकिन परमहंस गुरु ने जनसेवा का जो गुरुमंत्र इन्हें दिया उसका प्रचार , प्रसार विवेकानंद ने देश , दुनिया में किया।

नई संवैधानिक सर्जरी : सत्ता से अपराध की सीधी विदाई

30 दिन हिरासत, 31वें दिन इस्तीफा: सत्ता का नया कायदा

भारतीय राजनीति की सबसे ऊंची कुर्सियों के लिए अब केवल जनादेश पर्याप्त नहीं रहेगा, बल्कि कानून की कसौटी पर खरा उतरना भी अनिवार्य होगा। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 (जो अगस्त 2025 में लोकसभा में पेश किया गया) इसी नई व्यवस्था का संकेत देता है। इसके अनुसार यदि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या कोई मंत्री ऐसे गंभीर अपराध में, जिसमें पांच वर्ष या उससे अधिक की सजा का प्रावधान है, लगातार तीस दिनों तक न्यायिक हिरासत में रहता है, तो उसे इकतीसवें दिन पद छोड़ना होगा। इस्तीफा न देने पर उसका पद स्वतः समाप्त हो जाएगा। यह संशोधन केवल कानूनी बदलाव नहीं, बल्कि उस राजनीतिक संस्कृति पर प्रहार है, जिसमें जेल से भी सत्ता संचालित होती रही। संदेश स्पष्ट है—लोकतंत्र में जनादेश सम्मान देता है, पर पद पर बने रहने का अधिकार अंततः कानून और जनविश्वास ही तय करेंगे।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

इस विधेयक की सबसे बड़ी ताकत यह है कि उसने जवाबदेही को समय-सीमा से बांध दिया है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के लिए निर्धारित अवधि पूरी होते ही पद छोड़ना अनिवार्य होगा। मंत्रियों के मामले में राष्ट्रपति या राज्यपाल, प्रधानमंत्री अथवा मुख्यमंत्री की सलाह पर कार्रवाई करेंगे, लेकिन सलाह न आने पर भी पद स्वतः समाप्त हो जाएगा। अर्थात अब संवैधानिक व्यवस्था किसी राजनीतिक निर्णय की बंधक नहीं रहेगी। यह प्रावधान सर्वोच्च न्यायालय के लिली थॉमस निर्णय की भावना को आगे बढ़ाता है, जिसने दोषसिद्धि पर तत्काल अयोग्यता का सिद्धांत स्थापित किया था। रेप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपल एक्ट, 1951 पहले से दोषसिद्ध जनप्रतिनिधियों को अयोग्य ठहराता है, किंतु नया संशोधन जवाबदेही की शुरूआत दोषसिद्धि के बाद नहीं, बल्कि गंभीर मामलों में लंबी न्यायिक हिरासत से ही कर देता है। यही इसे अब तक की व्यवस्थाओं से अलग और अधिक प्रभावी बनाता है। यदि यह संशोधन प्रभावी ढंग से लागू हुआ, तो राजनीति की कार्यसंस्कृति बदल सकती है। अपराधीकरण और भ्रष्टाचार पर इसका सीधा प्रहार होगा, क्योंकि गंभीर मामलों में लंबी न्यायिक हिरासत अब केवल कानूनी संकट नहीं, बल्कि सत्ता से विदाई का कारण भी बन सकती है। इससे स्वच्छ छवि वाले नेतृत्व को अवसर मिलेगा, ईमानदार युवाओं का भरोसा बढ़ेगा और जनता का विश्वास मजबूत होगा कि कानून से ऊपर कोई नहीं। शासन का ध्यान व्यक्तिगत मुकदमों से हटकर विकास और सुशासन पर केंद्रित रहेगा। उल्लेखनीय है कि यह स्थायी दंड नहीं है; न्यायिक राहत मिलने पर पुनर्नियुक्ति संभव होगी। इसलिए यह व्यवस्था प्रतिशोध नहीं, बल्कि सार्वजनिक पद की गरिमा और जवाबदेही को सुरक्षित रखने का निवारक उपाय अधिक है। इसी कारण कुछ संवैधानिक विशेषज्ञ इसे भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानते हैं। सिक्के का दूसरा पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या केवल लंबी न्यायिक हिरासत, बिना दोषसिद्धि के, किसी निर्वाचित प्रतिनिधि को पद से हटाने का आधार बन सकती है, जबकि न्याय का मूल सिद्धांत प्रत्येक व्यक्ति को दोष सिद्ध होने तक निर्दोष मानता है। विपक्ष और अनेक विधि विशेषज्ञों को आशंका है कि जांच एजेंसियों पर राजनीतिक प्रभाव बढ़ने पर यह प्रावधान विरोधियों को सत्ता से हटाने का हथियार बन सकता है। विशेषकर विपक्ष शासित राज्यों में इससे केंद्र-राज्य संबंधों में तनाव बढ़ने की आशंका है। इसलिए इस संशोधन की वास्तविक कसौटी उसकी कठोरता नहीं, बल्कि निष्पक्ष और दुरुपयोग-मुक्त क्रियान्वयन होगी। इस बदलाव का असर केवल व्यक्तियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सरकारों की स्थिरता पर भी पड़ेगा। छोटे बहुमत वाली सरकारों में यदि मुख्यमंत्री या कई मंत्री एक साथ पद छोड़ने को विवश हुए, तो सत्ता का संतुलन बदल सकता है और नए राजनीतिक समीकरण उभर सकते हैं। समर्थकों का तर्क है कि यदि किसी सरकार की स्थिरता गंभीर मामलों में जेल में बंद नेताओं पर टिकी है, तो ऐसी स्थिरता लोकतंत्र के हित में नहीं मानी जा सकती। इसलिए असली चुनौती सरकार बचाने की नहीं, बल्कि शासन की विश्वसनीयता बनाए रखने की है। आखिर लोकतंत्र केवल सरकारों के टिके रहने से नहीं, बल्कि जनता के अटूट विश्वास से मजबूत होता है। यह विधेयक भारतीय राजनीति को दो खेमों में बांट चुका है और जेपीसी में इस पर बहस जारी है। सत्तापक्ष इसे भ्रष्टाचार-मुक्त शासन की दिशा में ऐतिहासिक कदम मानता है, जबकि विपक्ष इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर आघात बताता है। इसलिए संसदीय समिति की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वह सभी प्रावधानों की गहन समीक्षा कर दुरुपयोग रोकने के लिए प्रभावी सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करे। सर्वोच्च न्यायालय स्पष्ट कर चुका है कि सांसद और विधायक विशेषाधिकार प्राप्त शासक नहीं, बल्कि जनता के प्रति जवाबदेह जनसेवक हैं। अतः यह संशोधन तभी सफल माना जाएगा जब जवाबदेही और न्याय का संतुलन बना रहे। वर्तमान में जेपीसी इस विधेयक की जांच कर रही है और जुलाई 2026 के मध्य तक रिपोर्ट पेश करेगी। इस संशोधन के दूरगामी प्रभाव राजनीति की कार्यसंस्कृति में भी दिखाई दे सकते हैं। दलों को स्वच्छ छवि और कानूनी रूप से निर्विवाद नेताओं को प्राथमिकता देनी होगी, जिससे नए नेतृत्व के उभरने की संभावनाएं बढ़ेंगी और जनता की अपेक्षाएं भी बदलेंगी। तब यह संशोधन केवल कानून नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति में बदलाव का आधार बन सकता है। लेकिन यदि जांच एजेंसियों की निष्पक्षता संदेह के घेरे में रही, तो यही व्यवस्था लोकतांत्रिक टकराव और राजनीतिक अविश्वास का कारण भी बन सकती है। अंतिम कसौटी कानून बनाने की नहीं, उसे निष्पक्षता से लागू करने की होती है। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक भी उसी परीक्षा से गुजरेगा। यदि इसका संतुलित और निष्पक्ष क्रियान्वयन सुनिश्चित हुआ, तो यह स्वच्छ शासन, उत्तरदायी नेतृत्व और कानून की सर्वोच्चता का नया अध्याय लिखेगा। लेकिन यदि इसका दुरुपयोग हुआ, तो यही कानून लोकतांत्रिक विवादों का केंद्र बन जाएगा। अंततः लोकतंत्र की मजबूती कानूनों की संख्या से नहीं, उनके न्यायपूर्ण पालन से तय होती है। सत्ता क्षणिक है, पर लोकतंत्र तभी स्थायी रहता है, जब उसके सर्वोच्च पदों पर बैठे लोग भी कानून के समक्ष सामान्य नागरिक की तरह जवाबदेह हों।

(पुस्तक समीक्षा) हरियाणवी लघुकथा का प्रथम प्रतिनिधि संकलनः 'म्हारी माट्टी, म्हारे आखर'

डॉ. विजय गर्ग

हर भाषा की वास्तविक शक्ति उसकी माटी में निहित होती है और उसी माटी से जन्म लेते हैं उसके आखर। 'म्हारी माट्टी, म्हारे आखर' उसी सोंधी सुगंध को अपने भीतर समेटे एक ऐसा लघुकथा-संकलन है, जो केवल हरियाणवी बोली की जीवंतता का परिचय ही नहीं कराता, बल्कि समकालीन हिंदी साहित्य की सर्वाधिक प्रभावशाली विधाओं में से एक—लघुकथा—को हरियाणवी अभिव्यक्ति के साथ सशक्त स्वर भी प्रदान करता है। यह संकलन डॉ. सत्यवान सौरभ के संपादन और डॉ. प्रियंका सौरभ के संकलन में तैयार हुआ है, जिसमें 33 लघुकथाकारों की कुल 99 लघुकथाएँ शामिल हैं। यह संख्या केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि हरियाणवी लघुकथा के विकसित होते स्वरूप का सशक्त संकेत है। लंबे समय तक हरियाणवी साहित्य मुख्यतः लोकगीतों, रागनियों और किस्सागोई तक सीमित रहा, किंतु यह संकलन प्रमाणित करता है कि अब यह बोली आधुनिक साहित्यिक विधाओं में भी अपनी सुदृढ़ उपस्थिति दर्ज करा रही है। लघुकथा की सबसे बड़ी विशेषता उसकी संक्षिप्तता है, किंतु इस संकलन को पढ़ते हुए अनुभव होता है कि यहाँ शब्द कम हैं, पर प्रभाव अत्यंत गहरा है। प्रत्येक रचना किसी एक घटना, भावना अथवा सामाजिक स्थिति को केंद्र में रखकर लिखी गई है, जो पाठक को तुरंत अपने साथ जोड़ लेती है। ये कहानियाँ केवल पढ़ी नहीं जातीं, बल्कि महसूस भी की जाती हैं—और यही इस संकलन की सबसे बड़ी सफलता है। इस पुस्तक की सबसे बड़ी शक्ति इसकी विषय-विविधता है। इसमें जीवन के अनेक रंग दिखाई देते हैं—रिश्तों की मिठास, समाज की कटु सच्चाइयाँ, ग्रामीण जीवन की सहजता और बदलते समय की जटिलताएँ। 'तड़कै की माँ' में मातृत्व की संवेदना झलकती है, 'इज्जत की परिभासा' सामाजिक मानदंडों पर प्रश्न उठाती है, 'बहू बिहार की' सामाजिक पूर्वाग्रहों को उजागर करती है, जबकि 'माटी की सोंध' और 'घूंघट अर घड़ी' जैसी रचनाएँ हरियाणा की सांस्कृतिक जड़ों से गहरे जुड़ाव का सजीव चित्र प्रस्तुत करती हैं। हरियाणवी भाषा की सादगी और उसका सीधा-सरल स्वभाव इन लघुकथाओं को और अधिक प्रभावशाली बनाता है। यहाँ भाषा में कोई बनावट या कृत्रिमता नहीं, बल्कि सहज प्रवाह है, जो सीधे पाठक के मन तक पहुँचता है। यह संकलन इस धारणा को पुष्ट करता है कि साहित्य की गहराई भाषा की जटिलता में नहीं, बल्कि उसकी संवेदनशीलता में निहित होती है। हालाँकि, इस पुस्तक का एक पक्ष ऐसा भी है जो ध्यान आकर्षित करता है—भाषाई एकरूपता का अभाव। चूँकि इसमें अनेक लेखकों की रचनाएँ संकलित हैं, इसलिए हरियाणवी के विविध रूप सामने आते हैं। कहीं भाषा शुद्ध लोकधर्मी है तो कहीं हिंदी का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। यह विविधता एक ओर संकलन को व्यापक बनाती है, वहीं दूसरी ओर एक समान भाषिक प्रवाह की कमी भी महसूस होती है। फिर भी, इसे कमी के बजाय हरियाणवी भाषा के विकासशील स्वरूप की स्वाभाविक स्थिति के रूप में देखा जाना चाहिए। इस संकलन की अनेक रचनाएँ सामाजिक विसंगतियों पर तीखा प्रहार करती हैं। 'दोगला' 'कागजी समाज सेवा' 'लीडर' और 'भीड़ अर नेता' जैसी लघुकथाएँ समाज में व्याप्त पाखंड, दिखावे और खोखले नेतृत्व पर प्रभावी कटाक्ष करती हैं। वहीं 'बेटी का मान' 'शेरनी माँ' तथा 'लुगाइयां के हक' जैसी रचनाएँ स्त्री के संघर्ष, आत्मसम्मान और बदलती सामाजिक भूमिका को अत्यंत प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करती हैं। इन कहानियों की विशेषता यह है कि ये बिना अनावश्यक भावुकता के सीधे यथार्थ को सामने रखती हैं। इस पुस्तक का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि इसमें नए और अनुभवी—दोनों प्रकार के रचनाकारों को स्थान दिया गया है। इससे न केवल साहित्यिक संतुलन बना है, बल्कि नई प्रतिभाओं को भी अपनी अभिव्यक्ति का अवसर मिला है। किसी भी भाषा के विकास के लिए नई पीढ़ी के रचनाकारों का उभरना अत्यंत आवश्यक होता है और यह संकलन उस दिशा में एक सार्थक प्रयास है। डॉ. रामनिवास 'मानव' की प्रस्तावना इस संकलन को वैचारिक आधार प्रदान करती है। उन्होंने हरियाणवी लघुकथा की वर्तमान स्थिति, उसकी चुनौतियों और संभावनाओं को जिस स्पष्टता से प्रस्तुत किया है, वह पाठक को इस विधा की गंभीरता का बोध कराती है। वहीं सुरेंद्र बांसल का आलेख 'रचनात्मक उद्यम नै साधुवाद' इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे एक सकारात्मक साहित्यिक पहल के रूप में स्थापित करता है। यदि समग्र दृष्टि से मूल्यांकन किया जाए तो 'म्हारी माट्टी, म्हारे आखर' केवल एक लघुकथा-संकलन नहीं, बल्कि हरियाणवी साहित्य की विकास-यात्रा का एक महत्त्वपूर्ण पड़ाव है। यह उस साहित्यिक रिक्तता को भरने का सार्थक प्रयास है, जहाँ हरियाणवी लघुकथा का कोई व्यापक और प्रतिनिधि संकलन अब तक उपलब्ध नहीं था। यह कृति वर्तमान रचनाशीलता का दस्तावेज होने के साथ-साथ भविष्य के साहित्यिक विमर्शों के लिए भी आधारभूमि तैयार करती है। निस्संदेह, यह पुस्तक अपने उद्देश्य की दृष्टि से पूर्णतः सफल है। यह पाठकों का केवल मनोरंजन नहीं करती, बल्कि उन्हें सामाजिक यथार्थ पर विचार करने, मानवीय मूल्यों को समझने और अपनी लोकभाषा की साहित्यिक क्षमता को नए दृष्टिकोण से देखने के लिए प्रेरित करती है। हरियाणवी भाषा और लोकसाहित्य के अध्येताओं, शोधार्थियों, रचनाकारों तथा सामान्य पाठकों—सभी के लिए यह एक महत्त्वपूर्ण और संग्रहणीय कृति है। 'म्हारी माट्टी, म्हारे आखर' अपनी माटी की सोंधी महक, लोकजीवन की आत्मीयता और समकालीन संवेदनाओं के साथ हरियाणवी लघुकथा को नई पहचान, नई ऊर्जा और नई दिशा प्रदान करने वाला उल्लेखनीय साहित्यिक उपक्रम है। आने वाले समय में यह संकलन हरियाणवी लघुकथा के इतिहास में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा।

पुस्तक विवरण एवं उपलब्धता

शीर्षक : म्हारी माट्टी, म्हारे आखर (हरियाणवी लघुकथा संकलन)
प्रकाशकः प्रज्ञानशाला, आर.के. फीचर्स (पंजी.), भिवानी (हरियाणा), भारत
आईएसबीएन : 978-81-998644-4-3
पृष्ठ संख्या : 121
मूल्य : 275/-
उपलब्धता : ऑनलाइन एवं ऑफलाइन
प्राप्ति हेतु संपर्क :
9466526148
7015375570

नारी शक्ति : वादों से लेकर कर दिखाने तक : ब्रिक्स में भारत का योगदान

श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

भारत ने 1 जनवरी 2026 को ॻलचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माणॼ की थीम के तहत ब्रिक्स की अध्यक्षता संभाली। महिलाओं से जुड़े मामलों में हमारा योगदान बेहद खास रहा है। हम सिर्फ.कोई नारा या तारीफ के लिए सफल कहानियों का संग्रह पेश नहीं कर रहे हैं। हम एक ऐसा कामकाजी ढांचा लेकर आए हैं, जो करोड़ों महिलाओं तक पहुँचा है। यह ढांचा सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां से शुरू होकर जहाँ भी जाता है, वहाँ आगे और विकसित होने के लिए तैयार रहता है। यही भारत की खास बात है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक से ज्यादा समय से भारत ने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को एक राष्ट्रीय मिशन के तौर पर अपनाया है और इस काम को इतने बड़े पैमाने पर किया है, जिसकी बराबरी बेहद कम देश कर सकते हैं। 2023 में अपनी जी-20 अध्यक्षता के दौरान, भारत ने वैश्विक सोच को महिलाओं के विकास से बदलकर महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की ओर मोड़ने में मदद की। यह महज शब्दों का बदलाव नहीं था, बल्कि सोच का भी बदलाव था। महिलाओं को सिर्फ.लाभार्थी के तौर पर देखने के बजाय, उन्हें नेतृत्वकारी भूमिका में देखना। कोच्चि में हम इसी बदलाव से जुड़ा सवाल उठा रहे हैं: एक बार वादा करने के बाद, उसे बड़े पैमाने पर, आखिरी गाँव की आखिरी महिला तक कैसे पहुँचाया जाए भारत ने पिछले दस सालों में सिर्फ.सैद्धांतिक तौर पर नहीं, बल्कि असल में इस सवाल का जवाब दिया है। भारत के लिए यह सोच नई नहीं, बल्कि बहुत पुरानी है। विकास की भाषा के आने से काफी पहले ही, हमारी संस्कृति ने नारी को शक्ति, ज्ञान और समृद्धि का स्रोत माना था। ये तीनों ही वे आधार हैं, जिन पर कोई भी समाज तरक्की करता है और उन्हें देवी दुर्गा, सरस्वती और लक्ष्मी के रूप में पूजा जाता रहा है। दैवीय शक्ति को ही 'शक्ति' कहा जाता है और संस्कृत के एक प्रसिद्ध श्लोक के अनुसार, जहाँ महिलाओं का सम्मान होता है, वहाँ देवता भी प्रसन्न होते हैं। यह सम्मान सिर्फ.दिखावे के लिए नहीं था लोपामुद्रा और घोषा जैसी महिला ऋषियों ने ऋग्वेद के मंत्रों की रचना की और गार्गी और मैत्रेयी जैसी दार्शनिकों ने उपनिषदों के प्रसिद्ध वाद विवादों में अपनी बात मजबूती से रखी। इसलिए, भारत के लिए महिलाओं के नेतृत्व वाला विकास, किसी और से लिया हुआ विचार नहीं है, बल्कि एक प्राचीन विचार का ही आधुनिक रूप है। शुरूआत फैसला लेने की प्रक्रिया से करते हैं। भारत की पंचायती राज संस्थाओं में चुने गए प्रतिनिधियों में से लगभग आधी महिलाएँ हैं, जो दुनिया में चुनी हुई महिला नेताओं के सबसे बड़े समूहों में से एक है। इसके अलावा नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करता है। महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास का अंत सिर्फ.प्रतिनिधित्व तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यहां से इसकी शुरूआत होती है। ऐसा मॉडल, जो महिलाओं को सेवाएँ तो देता है, लेकिन उन सेवाओं को तय करने वाले फैसलों में उन्हें शामिल नहीं करता, वह असल में महिलाओं के नेतृत्व वाला मॉडल नहीं है। भारत में सेवा पहुँचाने का ढाँचा तीन हिस्सों पर टिका है, जो एक साथ मिलकर ही काम करते हैं। पहला हिस्सा है पहुँच: डिजिटल जन अवसंरचना, फायदों को सीधे महिलाओं के हाथों तक पहुँचाती है। आधार से जुड़े ट्रांसफर उन बिचौलियों की भूमिका को खत्म कर रहे हैं, जो पहले मदद पहुँचने से पहले ही उसे दूसरी तरफ मोड़ देते थे। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना इस पहुँच का व्यावहारिक उदाहरण है। 4.26 करोड़ से ज्यादा माताओं को मातृत्व लाभ के तौर पर 20,060 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि सीधे उनके आधार से जुड़े खातों के जरिए मिली है। दूसरा हिस्सा है संस्थाएँ: डीएवाई-एनआरएलएम के तहत, 10.05 करोड़ से ज्यादा ग्रामीण महिलाओं को 90.90 लाख से ज्यादा स्वयं-सहायता समूहों में संगठित किया गया है, जो दुनिया में महिलाओं के नेतृत्व वाली सामुदायिक संस्थाओं का सबसे बड़ा नेटवर्क है। तीसरा हिस्सा है गतिशीलता—यानी मूल्य श्रृंखला में हमेशा सबसे नीचे बने रहने के बजाय ऊपर की ओर बढ़ने का एक सोच-समझकर चुना गया रास्ता। भारत अब 65,949 एसएचजी महिलाओं को बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट एजेंट यानी बीसी सखी के तौर पर तैनात कर रहा है, जो दूर-दराज के इलाकों में जमा, क्रेडिट, धनराशि भेजने और पेंशन सेवाएँ पहुँचाती हैं। जो महिला कभी किसी लाभ के लिए कतार में लगती थी, अब वही महिला उस लाभ को दूसरों तक पहुँचाती है। कुल मिलाकर ये सब मिलकर भागीदारी को आमदनी और मालिकाना हक में बदलते हैं। लखपति दीदी पहल के तहत, जून 2025 तक 1.48 करोड़ स्वयं सहायता समूह महिलाओं की सालाना कमाई कम से कम 1 लाख रुपए तक पहुँच गई थी और जनवरी 2026 में शुरू किए गए उद्यमिता पर केंद्रित एक राष्ट्रीय अभियान का मकसद 50,000 सामुदायिक संसाधन व्यक्ति के जरिए 50 लाख अतिरिक्त महिलाओं को प्रशिक्षण देना है। तरक्की का यही रास्ता औपचारिक कारोबार में भी दिखता है: पीएमएमवाई के तहत दिए गए ऋण में से 69 प्रतिशत और 'स्टैंड-अप इंडिया' के लाभार्थियों में से 84 प्रतिशत महिलाएँ हैं। डीपीआईआईटी द्वारा मान्यता प्राप्त 2.12 लाख स्टार्टअप्स में से 1.02 लाख से ज्यादा स्टार्टअप्स में कम से कम एक महिला निदेशक या हिस्सेदार है और इनमें से कई स्टार्टअप बड़े शहरों के बजाय छोटे शहरों में हैं। हम ब्रिक्स को ये ब्रांड नाम नहीं, बल्कि उनके पीछे की कहानी पेश करते हैं: पहले पहुँच, फिर संस्थाएँ और फिर लाभार्थी से उद्यमी बनने का एक व्यवस्थित मार्ग। आँकड़े भी इस बदलाव को दिखाते हैं। भारत में महिलाओं की कामकाजी आबादी में भागीदारी 2017-18 में 23.3 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 41.7 प्रतिशत हो गई है और इसी दौरान महिलाओं में बेरोजगारी दर 5.6 प्रतिशत से घटकर 3.2 प्रतिशत हो गई है। अब पहले से कहीं ज्यादा महिलाएँ कार्यबल का हिस्सा हैं, इसलिए हमारा फोकस अब अगले चरण पर है, उनके काम की गुणवत्ता और आमदनी को और बेहतर बनाना। इस साल महिलाओं से जुड़े कामों के लिए चार प्राथमिकता वाले क्षेत्र तय किए गए हैं और इनमें से एक सीधे हमारे अनुभव से जुड़ा है: जलवायु कार्यवाही, खाद्य सुरक्षा और पोषण में महिलाओं की भूमिका। इस बारे में साक्ष्य भी साफ नतीजे बयां करते हैं: जब फैसले लेने की प्रक्रिया में महिलाएं शामिल होती हैं, तो पोषण बेहतर मिलता है और समुदाय चुनौतियों का बेहतर ढंग से सामना कर पाते हैं। यह कोई काल्पनिक बात नहीं है। झारखंड में महिला किसानों को ऐसी बीजों की किस्मों की जानकारी है, जो सूखे के दौरान भी बची रहती हैं। राजस्थान में महिला पशुपालकों को उन रास्तों की भी जानकारी है, जिनसे सूखे के समय मवेशियों को सुरक्षित ले जाया जा सकता है। भारत का काम ऐसे संस्थान बनाना रहा है, जो इस जानकारी और अनुभव का इस्तेमाल करें, न कि इसे नजरअंदाज करें। मिशन पोषण 2.0 आंगनवाड़ी नेटवर्क के जरिए चलाया जाता है, जिसमें महिलाएं काम करती हैं और वे ही लोगों तक सेवा पहुंचाने की भरोसेमंद कड़ी होती हैं। जलवायु के अनुसार ढलने का काम भी इसी तरह होता है, चाहे वह लद्दाख में महिलाओं द्वारा बनाए गए ऊंचे इलाकों में पानी जमा करने के ढांचे हों या ओडिशा के तट पर वनस्पति के घने इलाकों को बचाने वाली समितियां। महिलाएं अब सिर्फ. अनुकूलन की तकनीक का इस्तेमाल करने वाली नहीं रह गई हैं, बल्कि वे खुद इसे आगे बढ़ा भी रही हैं: नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को खेती में इस्तेमाल होने वाले ड्रोन उड़ाने का प्रशिक्षण दिया जाता है। यह ज्यादा कौशल और ज्यादा आमदनी वाले काम की ओर एक सोच-समझकर उठाया गया कदम है। एक खास बात जो पूरी तरह से भारत की वास्तविक विशेषता बन गई है। एक ज़िला एक उत्पाद पहल के तहत अब 761 ज़िलों में 1,102 उत्पाद शामिल हैं। महिला समूह हथकरघा, जीआई टैग वाले शिल्प और क्षेत्रीय खाद्य पदार्थों जैसे स्थानीय विशेष उत्पादों को ब्रांडेड और तेजी से निर्यात होने वाले उत्पादों में बदल रहे हैं। सरकार भी इन उत्पादों के लिए बाजार तक पहुँचने का रास्ता बना रही है: अवसर योजना के तहत हवाई अड्डों पर महिलाओं के लिए आरक्षित रिटेल जगह और 'वोकल फॉर लोकल' के तहत महिला-संचालित उद्यमों के लिए जेम पर एक खास स्थान। असल मायनों में यह टिकाऊ व्यवस्था है।

हल्दी के ये 10 फायदे जो देंगे आपको

नेचुरल खूबसूरती

शादी से पहले दुल्हे और दुल्हन को इसका लेप लगाने की परंपरा है। इसके साथ थोड़ा सा बेसन और दही मिलाकर लगाएं तो आपको भी मिल सकता है। एंजेलिना जॉली सा रूप रंग। ये सालों से सबसे आसानी से मिलने वाला भारतीय मसाला है, जो देता है ढेरों व्यूटी वैनिफीटस जी हां, हम बात कर रहें हैं हल्दी की, जो ना सिर्फ भारतीय खूबसूरती के लिए बल्कि आयुर्वेद के लिए भी एक बहुपयोगी एन्ग्रेडेन्ट है। तो आप भी इसके 10 व्यूटी वैनिफीटस जानिए और पाइए एक नैचुरली खूबसूरत स्किन।

» **मुहांसों से दिलाए छुटकारा:** हल्दी में एंन्टीसेप्टीक और एन्टीवैक्टेरियल क्वालिटी होने की वजह से ये आपके मुहासें कम करने में भी मदद करती है। हल्दी और चंदन का पेस्ट बना कर मुहांसे पर लगाएं। आप चाहें तो सिर्फ हल्दी को पानी में मिलाकर चेहरा धो लें। इससे भी मुहासें कम हो जाएगें।

» **इसमें होती है एन्टी एजेइंग प्रोप्रटी भी :** इस खासियत की वजह से हल्दी स्किन को फ्रे श रखने के साथ-साथ एजेइंग साइन को भी कम करती है। चुटकी भर हल्दी को बेसन और दूध मिलाकर अपने चेहरे पर अच्छे से लगाए और 15 मिनट बाद धो लें।

» **ये है एक लाजवाब एक्सफोलिएटर :** हम सभी जानते है कि हल्दी स्किन में छिपी गंदगी को साफ करती है। इसे बेसन और दूध में मिलाकर चेहरे पर लगाए। ये आपके चेहरे को एक्सफोलाइट करेगी और कुछ ही मिनटों में आपकी स्किन चमकने लगेगीण किसी जरूरी मीटिंग या पार्टी में जाना हो तो ग्लोइंग स्किन के लिए ये बेस्ट तरीका है।

» **चेहरे के अनचाहे बालों को करे कम :** हल्दी आपके चेहरे के अनचाहे बालों को कुछ ही महीनों में कम कर देती है। इसे हर रोज चेहरे पर लगाने से ये चेहरे के बालों का निकलना कम करके, उन्हें हल्का कर देती है।

» **पिगमेन्टेशन को घटाए :** हल्दी चेहरे के दाग-धब्बों को दूर करती है और पिगमेन्टेशन और टन को भी कम करती है। हल्दी से चेहरे पर निखार आता है।

» **स्ट्रीच मार्कस को करे खत्म:** हम पहले ही बता चुके है कि हल्दी कैसे मार्कस को कम करती है। इसलिए ये एक्टीव एजेंट आपके स्ट्रीच मार्कस को भी घटाती है। इसके लिए आप हल्दी में गुलाब जल मिलाकर चेहरे पर लगाए और फि र देखे कमाल।

» **करें हल्दी से पैडीक्योर:** फ टी एडि ?ां, सूखे पैर से लेकर सेन्सेटिव स्किन तक के लिए हल्दी बेस्ट ऑप्शन है। इसके लिए आपको बस ये करना है कि हल्दी में नारियल तेल मिलाकर अपनी एडि ?ों पर रगड़ें। कुछ ही मिनटों में आपकी एडि ?ा बिलकुल कोमल हो जाएंगी।

» **ड्राय या ऑयल स्किन, हल्दी करेगी उपाय :** ज्यादातर व्यूटी प्रोडेक्टस सिर्फ एक तरह की ही स्किन का ख्याल रख पाती हैं। पर हल्दी आपकी दोनों तरह की स्किन के लिए बेस्ट ऑप्शन है। चंदन के पेस्ट में हल्दी और ऑरेंज जूस मिलाकर अपनी ऑयली स्किन पर लगाए। ये आपके स्किन में ऑयल को कम करेगा। ड्राय स्किन के लिए अंडे के सफेद भाग को ऑलिव ऑयल गुलाब जल और हल्दी मिलाकर लगाए।

» **हल्दी है एक नाइट क्रीम भी :** रात में सोने से पहले इसे दूध या दही में मिलाकर चेहरे पर लगाए और सुबह पाए एक दमकता स्किन।

डार्क अंडरआर्म से हैं परेशान

तो अजमाएं

दादी मां के नुस्खे

क्या आपको भी डार्क अंडरआर्म की वजह से कट स्लीव पहनने में हिचक होती है। अगर ऐसा है तो आप दुनिया की इकलौती ऐसी लडकी नहीं हैं जिसके साथ ऐसा है। हममें से कई लड़कियों को डार्क अंडरआर्म्स, कोहनी और घुटनों की समस्या होती है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर ऐसा होता क्यों है। इसकी वजह है शेविंग, केमिकल्स से भरे रिमूविंग क्रीम्स का इस्तेमाल, डेड स्किन सेल्स का बनना, अंडरआर्म का हवा से कम कॉन्टेक्ट और एल्कोहल बेस्ड डियोडरेंट और एंटीपर्सपिरेंट्स का इस्तेमाल करना। कई बार ऐसी समस्या के पीछे कोई मेडिकल वजह या एलर्जी होती है। तो अगर आपको भी डार्क अंडरआर्म की समस्या है तो दादी मां के इन नुस्खों को आजमाएं और पाएं इस परेशानी से हमेशा के लिए छुटकारा।

आलू

आलू में सौम्य रूप में एसिडिक प्रोपर्टीज मौजूद होती है और इसलिए ये एक कमाल का नैचुरल ब्लीचिंग एजेंट है। आलू का एक पतला हिस्सा लें और इसका जूस निकाल लें। इस जूस को उंगुलियों या कॉटन बॉल की मदद से अपने अंडरआर्म और कोहनी पर लगाएं।10-15 तक इसे लगा कर रखें और फि र गुनगुने पानी से इसे धो लें।

नींबू

नींबू भी एक नैचुरल ब्लीचिंग एजेंट है। इसकी एंटीबैक्टीरिअल और एंटीसेप्टिक प्रोपर्टीज काफी असरदार होती है। ये डेड स्किन सेल्स को एक्सफ ोलिएट करने में मदद करता है। आप चाहे तो नहाने से पहले सीधे तौर पर नींबू और चीनी को अफेक्टेड एरिया में रगड़ कर इससे छुटकारा पा सकती हैं या फि र एक चुटकी हल्दी पाउडर में प्लेन दही, नींबू का रस और शहद मिलाकर एक मोटा पेस्ट तैयार कर लें और इसे हल्के हाथों से अपने डार्क अंडरआर्म पर रगड़ें। अब इसे 10 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें और फि र इसे धो लें। बेहतर रिजल्ट के लिए हफ्ते में ऐसा दो बार करें।

रोज 2-3 काजू खाने के फायदे जानेंगे

तो आप भी खाना चाहेंगे

काजू को ड्रायफ्रूट्स का राजा माना जाता है। स्वाद और सेहत बनाने मे वाकई काजू का कोई जोड़ नहीं है। काजू यदि रोज खाया जाए तो इसके अनेक फ ायदे हैं। थोड़े से काजू खाने से न सिर्फ शरीर को ऊर्जा मिलती है, बल्कि कई बीमारियां भी दूर होती है। आज हम बताने जा रहे हैं काजू खाने से होने वाले कुछऐसे ही फ ायदों के बारे में।

थकान दूर करता है

काजू को ऊर्जा का एक अच्छा स्त्रोत माना जाता है। इसका कोई कुप्रभाव नहीं होता। ये अलग बात है कि इसे कम मात्रा में खाना चाहिए। कई बार आप बिना किसी परिश्रम के थकान महसूस करते हैं। आपका मूड भी अपसेट हो रहा होता है, ऐसे में दो-तीन काजू चबा लें। इससे थकान तत्काल दूर हो जाएगी।

सेहतमंद व खूबसूरत बनाता है

काजू में प्रोटीन अधिक मात्रा में होता है। इसलिए इसे खाने से बाल और त्वचा स्वस्थ और सुंदर हो जाती है। ये सच है कि काजू बहुत महंगा होता है, लेकिन सौ दवाइयां खाने से अच्छा है कि आप काजू खाएं।

स्किन भी बढ़ाती है वजन

जानिए कुछ राज

यकीनन आपको ये तो मालूम होगा कि हमारी बॉडी का सबसे बड़ा ऑर्गेन स्किन को कहा जाता है और हां, आपको ये भी मालूम होगा कि ये वाटर प्रुफ भी होती है। लेकिन स्किन से जुड़े ऐसे कई राज हैं जिनके बारे में आपको मालूम नहीं है।

हम आपको बताते हैं स्किन से जुड़ी ऐसे ही कुछ अनसुनी और चौंका देने वाली बातों के बारे में, जो आपको इस ऑर्गेन के अच्छी देखभाल करने में मदद करेंगे।

» क्या आप जानती हैं कि हमारी बॉडी का 15प्रतिशत वजन स्किन का होता है। इसलिए अब अगली बार जब अपना वजन करें तो इसमें से अपनी स्किन का भार घटा लें। इससे आप अंदर से अच्छा भी महसूस करेंगी (आखिर वजन जो कम हो जाएगा)

» हर 28वें दिन हमारी स्किन खुद.ब.खुद अपनी मरम्मत कर नई स्किन तैयार कर लेती है। इसलिए जब आप कोई प्रोडक्ट इस्तेमाल करें तो कम से कम इसे 28 दिनों का समय जरूर दें।

» किसी भी बेबी की परमानेंट स्किन टोन बनने में कम से कम 6 महीने लगते है। जी हां, यहीं वजह है कि हम अपने बचपन के फ ोटोज में बिल्कुल अलग रंगत के दिखते हैं।

» क्या आपकी बॉडी पर बहुत ज्यादा बाल मौजूद हैं। तो इसमें गलती कही न कही आपकी स्किन की ही है। बॉडी पर कम बाल होंगे या ज्यादा ये आपकी स्किन टाइप तय करती है।

» जहां हमारे पलकों की स्किन सबसे पतली होती है वहीं, पैरों की स्किन सबसे मोटी मानी जाती है। इसलिए इन दोनों के लिए क्रीम्स भी अलग-अलग होनी चाहिए।

» हमारे नाखून और कुछ नहीं बल्कि कैराटिन प्रोटीन से बने डेड स्किन होते हैं। है न अजीब बात!

» हमारी स्किन काफी समझदार होती है और इसका सबूत है इसका लचीलापन। इसिलए अगर आप ध्यान देंगी तो महसूस होगा कि नकल्स की स्किन पीठ के पीछे की स्किन से ज्यादा लचीली होती है।

» आपके घर की गंदगी का 50प्रतिशत हिस्सा आपसे आता है। जी हां, सही पढ़ा आपने! ये आपके डेड स्किन हैं जो घर की गंदगी को बढ़ाने का काम करते हैं।

» लिपिड्स और नैचुरल फैट्स हमारी स्किन के बाहरी लेयर को हेल्दी रखने में मदद करते हैं। डिटरजेंट्स, खुरदुरे प्रोडक्ट्स और एल्कोहल इन्हें को नुकसान पहुंचने का काम करते हैं और इसका नतीजा होता है ड्राय स्किन।

» हमारी स्किन में बैक्टीरिआ के 1000 जातियां मौजूद होती हैं। और तो और हमारे पैर की उंगुलियों में फ ंग्स की 14 जातियां मौजूद होती हैं।

» लगभग हर 20 में से 1 औरत एक्ने की समस्या से तो गुजरती है। लेकिन आदमी इस मामले में थोड़े खुशकिस्मत हैं क्योंकि 100 में से 1 आदमी इस परेशानी का सामना करता है उफ्फ! यहां भी भेदभाव

» हर एक मिनट में हमारी स्किन में 30,000 डेड सेल्स घर बना लेते हैं। तो अगर आपको ये आर्टिकल पढने में 5 मिनट लगे होंगे तो अबतक आपकी स्किन में 1,50,000 डेड सेल्स ने कब्जा कर लिया होगा।

बिना एक्सरसाइज के भी घट सकता है

वजन जानिए कैसे

तेजी से बढ़ते और घटते वजन के पीछे काफी हद तक हमारा मेटाबॉलिज्म जिम्मेदार होता है। जो खासतौर से बॉडी में एनर्जी बनाए रखने और कैलोरी बर्निंग का भी काम करता है। सही डाइट न लेने और एक ही बार भरपेट खाने से इसके काम करने की स्पीड धीमी होते जाती है। जानेंगे कैलोरी बर्न करने के ईजी ट्रिक्स के बारे में।

सही खाना

डाइट में ज्यादा से ज्यादा फ ाइबर वाली चीजें शामिल करें, प्रोटीन रिच फूड्स खाएं और कॉबोर्हाइड्रेट वाली चीजें कम इस्तेमाल करें। बहुत ज्यादा रिफ ाइंड कॉर्ब्स लेनाए वजन बढ़ाने का काम करता है। कार्बोहाइड्रेट खासतौर से मसल्स बनाने का काम करता है लेकिन इसे डाइजेस्ट करने के लिए बॉडी को एक्स्ट्रा एनर्जी की जरूरत होती है जिससे मेटाबॉलिज्म रेट धीमा होते जाता है और मोटापा बढ़ते जाता है।

ग्रीन टी पीना

ग्रीन टी में पाया जाने वाला एंटी-ऑक्सीडेंट और कैटेचिन तत्व मेटाबॉलिज्म रेट को बढ़ाने का काम करते हैं। इसी तरह फ्लैक्स सीड्स भी अल्फ ा-लिनोलेनिक एसिड और फैटी एसिड्स का अच्छा स्त्रोत होता है जो तेजी से कैलोरी बर्न करता है। बिना वर्कआउट किए मोटापा कम करना चाहते हैं तो दिन में कम से कम दो बार ग्रीन टी जरूर पिएं।

भरपूर पानी: पानी की कमी से होने वाला डिहाइड्रेशन मेटाबॉलिज्म प्रोसेस को स्लो कर देता है। किडनी बॉडी को प्यूरीफाई करने का काम करती है। डिहाइड्रेशन का सीधा असर किडनी पर पड़ता है। पानी की कमी से इसका रेट गिरते जाता है और बेकार फैट बॉडी में इक्ा होने लगता है।

स्पाइसी फूड्स

तीखा, चटपटा और मसालेदार खाना खाकर भी आप अपने फिगर को मेंटेन कर सकते हैं। स्पाइसी फू ड खाने से बॉडी का मेटाबॉलिज्म दोगुनी स्पीड से काम करता है। जिससे बॉडी में फैट नहीं जमा हो पाता।

सही न्यूट्रिशन

विटामिन डी काफी हद तक मेटाबॉलिज्म के सही फ ंक्शन के लिए जिम्मेदार होता है। ये बॉडी में जमा हो रही कैलोरी को आसानी से बर्न कर सकता है। इसलिए विटामिन डी से भरपूर डाइट और सप्लीमेंट्स लें। डेयरी प्रोडक्ट्स और सूरज की किरणें विटामिन डी का सबसे अच्छा स्त्रोत होती हैं।

शुगर अवॉयड करें

मोटापा बढ़ाने में शुगर बहुत हद तक जिम्मेदार होता है क्योंकि ये मेटाबॉलिज्म रेट को धीमा करने का काम करता है। ठीक इसी तरह एल्कोहल पीने से भी नुकसान होता है।

भरपूर नींद

6-8 घंटे की नींद लेकर भी आप तेजी से अपना वजन घटा सकते हैं। भरपूर नींद लेने से बॉडी रिलैक्स हो जाती है, मेटाबॉलिज्म रेट सही तरीके से काम करता है जिससे जरूरी न्यूट्रिशन बॉडी में आसानी से एब्जॉर्ब हो जाते हैं और बेकार की चीजें डिटॉक्स होकर बाहर निकल जाती हैं।

बालों को कलर करना

हुआ पुराना

अब ये है नया ट्रेंड

हेयर स्ट्राइक्स जिसकी मदद से हम अपने लुक को एक स्टाइलिश टच देने का काम करते थे, अब ये ट्रेंड लगभग खत्म हो चुका है। माना कि रेड, ब्लॉन्ड या दूसरे कलर्स से बालों को हाइलाइट करके हम अपने लुक को ग्लैमरस बना सकते हैं,लेकिन बात वहीं है कि ये ट्रेंड काफी पुराना हो चुका है और यकीनन आज के फैशनेबल जमाने में आप खुद को आउटटेडेट दिखाना बिल्कुल पसंद नहीं करेंगी

अब आप सोचेंगी कि फि र हम कैसे बालों को स्टाइलिश लुक दें। तो आपको ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है क्योंकि इस साल एक नया ट्रेंड हर तरफ चर्चा की विषय बना है और अमेरिका की औरतों पर तो इसने अपना पूरा जादू चला दिया है। इसकी शुरूआत तब हुई जब न्यू यॉर्क की कॉस्मेटिक कंपनी मेनिक पेनिक ने हेयर डाई की अपनी एक स्पेशल लाइन लॉन्च किया। ये कंपनी इस बात का दावा करती है कि इस तरह के हेयर डाई न सिर्फ आपके ग्रे हेयर को छुपाएंगे बल्कि यूवी लाइट्स के कॉन्टेक्ट में आने पर ग्लो भी करेंगे। इसके बाद तो न्यूयॉर्क की औरतें अपने नैचुरल हेयर को इस नए और हटके कलर से स्टाइलिश लुक देने का काम करने लगी।

कॉटन कैन्डी पिंक, एटोमिक टर्क्यूइस, इलैक्ट्रिक वनाना,फुकशिया शॉक जैसे कलर्स में रंगे यूएस की औरतों के अट्रैक्टिव और स्टाइलिश लुक को देखकर आप भी इसे अपनाने से खुद को नहीं रोक पाएंगी।

लेकिन शायद इंडिया में ऐसे हेयर कलर्स को अपनी जगह बनाने में थोड़ा समय लगे, पर अगर आप वाकई में ट्रेंड के साथ चलना चाहती हैं और बाकियों से हटकर दिखने की चाहत रखती हैं तो आप इंतजार न करें और अमेरिका में रह रहे अपने किसी रिश्तेदार या दोस्त से इस हेयर कलर का एक डब्बा भेजने की गुजारिश करें और क्या।

संघ ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी को दुर्भाग्यपूर्ण बताया, दोषियों पर कार्रवाई, व्यवस्था कमियों को दूर करने की अपील

नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए मांग की है कि दोषियों को कठोर दंड दिया जाए। संघ ने मंदिर की व्यवस्था संभाल रहे श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास को याद दिलाया कि हिंदू समाज की स्वाभाविक अपेक्षा है कि व्यवस्था एवं संचालन की कमियां दूर की जायें। संघ ने हिंदू समाज से धैर्य एवं संयम बनाए रखने और स्थिति का लाभ उठाकर हिंदू एवं राष्ट्र विरोधी षड्यंत्रों को विफल करने का आह्वान किया है।

संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने शुक्रवार को एक वीडियो संदेश में कहा कि अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के दान पात्रों से जमा राशि की चोरी दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे समूचे समाज और राम भक्तों की भावना एवं श्रद्धा आहत हुई है।

उन्होंने कहा कि संघ सहित संपूर्ण हिंदू समाज की न्यास से स्वाभाविक अपेक्षा है कि इस घोर निंदनीय घटना को असाधारण मान कर गंभीरता से लिया जाए और व्यवस्था एवं संचालन की सभी कमियों को दूर करने के लिए कदम उठाए जाएं। राम मंदिर पर करोड़ों रामभक्तों की आस्था एवं श्रद्धा अखंड एवं अटूट बनी रहनी चाहिए। वर्तमान की भ्रम और असमंजस की स्थिति समाप्त होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'इस दृष्टि से हमारी अपेक्षा है कि सभी आवश्यक पहल मंदिर प्रबंधन और शासन द्वारा गठित विशेष जांच दल करेंगे।' उन्होंने विश्वास जताया कि वित्तीय प्रबंधन एवं सुचारू संचालन के लिए पारदर्शी व्यवस्था एवं शुद्धता और पवित्रता से परिपूर्ण धार्मिक वातावरण तैयार कर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास हिंदू समाज की आस्था एवं विश्वास को सुदृढ़ बनाये रखेगा। उन्होंने कहा कि संघ संपूर्ण हिंदू समाज से भी आह्वान करता है कि इस कठिन क्षण में वह आवश्यक धैर्य और संयम का परिचय दे। साथ ही इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का लाभ उठाकर हिंदू विरोधी, राष्ट्र विरोधी शक्तियों के हिंदू धर्म एवं समाज को बदनाम करने के षड्यंत्रों को विफल करें।

न्यूज़ ब्रीफ

असम में शुरू हुआ माचा चाय का व्यावसायिक उत्पादन, देश का पहला राज्य बना

गुवाहाटी। असम ने चाय उद्योग में एक नई उपलब्धि हासिल करते हुए भारत का पहला राज्य बनने का गौरव प्राप्त किया है, जहां माचा चाय का व्यावसायिक उत्पादन शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी जानकारी देते हुए बताया कि तिनसुकिया जिले के छोटा तिंगराई टी एस्टेट में माचा चाय का व्यावसायिक उत्पादन प्रारंभ कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि असम की गौरवशाली चाय विरासत को नई पहचान देने के साथ-साथ राज्य के चाय उद्योग में विविधीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विश्वास जताया कि वैश्विक स्तर पर तेजी से लोकप्रिय हो रही माचा चाय के उत्पादन से अंतरराष्ट्रीय बाजार में 'असम टी' ब्रांड को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने बताया कि यह सफलता भारत-जापान के बीच एक दशक से अधिक समय से चल रहे सहयोग का परिणाम है। इस साझेदारी के तहत जापान की उन्नत तकनीक, विशेषज्ञता और माचा उत्पादन से संबंधित आधुनिक मशीनरी असम पहुंची, जिससे राज्य में व्यावसायिक स्तर पर माचा चाय का उत्पादन संभव हो सका। मुख्यमंत्री के अनुसार, असम में तैयार माचा चाय की पहली खेप गुवाहाटी टी ऑक्शन सेंटर में 13,000 रुपये की कीमत पर बिकी, जो इस प्रीमियम उत्पाद की मजबूत बाजार मांग को दर्शाती है। उन्होंने इसे भारत-जापान सहयोग की बड़ी सफलता बताते हुए कहा कि यह पहल चाय उत्पादकों के लिए नए अवसर सृजित करेगी और वैश्विक चाय बाजार में असम की पहचान को और अधिक सशक्त बनाएगी।

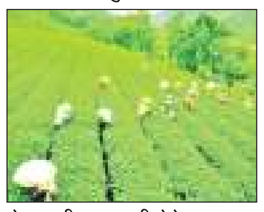

दिल्ली में भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक के समर्थकों ने भी रखा एक दिन का उपवास

.नई दिल्ली, 03 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले छह दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक के साथ शुक्रवार को सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के समर्थकों ने भी एक दिन का उपवास रखा। सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके ने एक्स पोस्ट में कहा, 'हमारी टीम आज सोनम वांगचुक के समर्थन में उपवास कर रही है। उनकी सेहत दिन-ब-दिन बिगड़ रही है और इस समय हमारा सामूहिक समर्थन बहुत जरूरी है। अगर आप भी इस एक दिन के उपवास में शामिल हो रहे हैं, तो कृपया उनका हौसला बढ़ाने के लिए एक वीडियो पोस्ट करें।' दीपके ने कहा कि वांगचुक की बिगड़ती सेहत को देखते हुए उनके समर्थकों और लद्दाख की जनता ने आज सामूहिक एकजुटता दिखाई है। उनकी टीम और समर्थक आज एक दिवसीय उपवास पर बैठ गए हैं। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को वांगचुक का सुगर लेवल गिरकर 60 तक पहुंच गया और ब्लड प्रेशर भी सामान्य से काफी नीचे आ चुका है, जिससे समर्थकों में भारी चिंता है।

हंगरी ने भगोड़े पोलिश पूर्व मंत्री की शरणार्थी मान्यता रद्द की

वारसा। पोलैंड सरकार ने गुरुवार को बताया कि हंगरी की नई सरकार ने भगोड़े पूर्व न्याय मंत्री ज्बिग्न्येव जियोब्रो, उनके पूर्व उपमंत्री मार्सिन रोमानोव्स्की और जियोब्रो की पत्नी पत्रिच्या कोतेत्स्का-जियोब्रो का शरणार्थी दर्जा रद्द कर दिया है। इस फैसले के बाद तीनों अब उन विशेष यात्रा दस्तावेजों का उपयोग नहीं कर सकेंगे, जिनकी मदद से वे हंगरी छोड़कर विदेश गए थे। पोलैंड के विदेश मंत्री रादोस्लाव सिकोरस्की ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि हंगरी ने न केवल तीनों की शरणार्थी मान्यता समाप्त की है, बल्कि उनके यात्रा दस्तावेज भी अमान्य कर दिए हैं। उन्होंने कहा, न्याय की प्रक्रिया धीमी हो सकती है, लेकिन अंततः न्याय होता है। जियोब्रो और रोमानोव्स्की पर सरकारी अपराध पीड़ित सहायता कोष के धन के कथित राजनीतिक दुरुपयोग सहित सत्ता के दुरुपयोग के कई आरोप हैं। दोनों नेता इन आरोपों को खारिज करते हुए दावा करते हैं कि वे राजनीतिक प्रतिशोध का शिकार हैं और वर्तमान प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के करीबी लोगों के खिलाफ की गई अपनी जांच के कारण उन्हें निशाना बनाया जा रहा है।

जंग के बीच, रूस की नींद उड़ाने वाला यूक्रेन का सीक्रेट ड्रोन, दुनियाभर में हो रही चर्चा, न नाम, न चेहरा, न फोन नंबर

कीव

रूस की सैन्य अड्डों और तेल रिफाइनरियों पर यूक्रेन द्वारा किए जा रहे लगातार और घातक हमलों ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को तनाव में डाल दिया है। चार साल पहले जिन्होंने सोचा था कि वे कुछ दिनों में कीव पर कब्जा कर लेंगे, आज उसी यूक्रेन की गुप्त ड्रोन इकाइयां रूस के अंदर तक हमला कर रही हैं, जिससे रूस की नींद उड़ी हुई है। बताया जा रहा है कि इन हमलों को अंजाम देने वाले सैनिक नाम, चेहरा, फोन नंबर... सब कुछ गुप्त रखते हुए लगभग अंधेरे में रहकर काम करते हैं। उनकी जिंदगी जीने का तरीका बेहद अलग है, जो सख्त गोपनीयता के नियमों से बंधा है। खबरों के अनुसार, इस इकाई के एक सदस्य डेनिस (बदला हुआ नाम) 2025 से इन हमलों में शामिल हैं, लेकिन उसके दोस्तों और माता-पिता को भी उसकी असली भूमिका की कोई जानकारी नहीं है। यूनिट के नियम बेहद सख्त हैं।

इस यूनिट ने रूस पर कई बड़े हमले किए हैं, जिनमें जून में मास्को की एक तेल रिफाइनरी पर हमला शामिल है, जिससे राजधानी के आसमान में घना काला धुआं छा गया था। इसी तरह, सेंट पीटर्सबर्ग पर भी हमला किया गया था, जब वहां एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन चल रहा था। कीव इन हमलों को मास्को द्वारा यूक्रेनी शहरों पर किए जा रहे रात के बमबारी का उचित जवाब बताता है। यूक्रेन हर हफ्ते रूस के ईंधन डिपो और रिफाइनरियों को निशाना बनाकर मास्को की ऊर्जा आय को कम करने की कोशिश कर रहा है। डेनिस कहते हैं कि वे दुश्मन के लिए बेहद महत्वपूर्ण और प्राथमिकता वाले लक्ष्य हैं, इसलिए गोपनीयता परम आवश्यक है।

इस यूनिट के सदस्यों के नाम, उम्र और चेहरे पूरी तरह गुप्त रखे जाते हैं। उनकी तस्वीरें या वीडियो लेना भी प्रतिबंधित है। वोरोन उपनाम वाले एक सैनिक ने बताया कि वे जानते हैं कि उनके परिवारों और खुद के लिए कितनी भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। इसलिए वे यथासंभव अंधेरे में रहना चुनते हैं। वोरोन पहले चित्रकार और मार्शल आर्ट प्रशिक्षक थे। विवाहित और एक बच्चे के पिता वोरोन कहते हैं कि उनकी पत्नी को उनके काम पर शक तो है, लेकिन वह सवाल नहीं पूछती। उनके परिवार और दोस्त अभी भी मानते हैं कि वह स्पेशल फोर्स में सेवा दे रहे हैं। सैन्य खुफिया के एक अधिकारी ने कहा कि रोजमर्रा की जिंदगी में उन्हें पहचानना मुश्किल है।

उन्होंने कहा कि वे आम लोगों की तरह कपड़े पहनकर घूमते हैं, जैसे शर्ट और जींस में। सार्वजनिक स्थानों पर मिशन की कोई चर्चा नहीं होती, यहां तक कि टेकआफ या विंग जैसे शब्द भी वर्जित हैं।

दो हंपबैक व्हेल ने 15 हजार किमी यात्रा कर बनाया रिकार्ड

लंदन। ताजा शोध ने समुद्री जीव विज्ञान की कई पुरानी धारणाओं को चुनौती दे दी है। दो हंपबैक व्हेल ने आस्ट्रेलिया और ब्राजील के बीच लगभग 15 हजार किलोमीटर लंबी समुद्री यात्रा पूरी कर एक नया विश्व रिकार्ड स्थापित किया है। इससे पहले किसी भी व्हेल के इतनी अधिक दूरी तय करने का प्रमाण नहीं मिला था। आमतौर पर हंपबैक व्हेल भोजन और प्रजनन के लिए मौसम के अनुसार लंबी यात्राएं करती हैं। वे गर्मियों में ठंडे समुद्री क्षेत्रों में भोजन जुटाती हैं और सर्दियों के दौरान प्रजनन के लिए गर्म समुद्री इलाकों का रुख करती हैं। हालांकि आस्ट्रेलिया से ब्राजील तक महासागर पार करना बेहद दुर्लभ माना जाता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस रिकार्ड ने यह संकेत दिया है कि इन व्हेलों की आवाजाही पहले की तुलना में कहीं अधिक व्यापक हो सकती है। समुद्री जीवों की गतिविधियों पर नजर रखना आसान नहीं होता। इस अध्ययन के लिए वैज्ञानिकों ने पिछले चार दशकों में एकत्र की गई 19 हजार से अधिक हंपबैक व्हेल की तस्वीरों का विश्लेषण किया। इन तस्वीरों को विभिन्न अनुसंधान संस्थानों और नागरिक वैज्ञानिकों ने मिलकर संकलित किया था। इसके बाद विशेष पहचान साफ्टवेयर की सहायता से व्हेल की पूंछ पर बने अनोखे रंगों और पैटर्न का मिलान किया गया।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन शनिवार से उत्तर प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे

नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन शनिवार से दो दिवसीय सांगठनिक प्रवास पर उत्तर प्रदेश में रहेंगे। इस दौरान नितिन नवीन वरिष्ठ पार्टी नेताओं और पदाधिकारियों के साथ संगठनात्मक बैठकें करेंगे। साथ ही वे भाजपा जनप्रतिनिधियों, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेताओं तथा विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों से भी संवाद करेंगे। उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा की रणनीति को धार देने और प्रदेश भाजपा की नवगठित टीम के मार्गदर्शन के लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का यह प्रवास महत्वपूर्ण है।

भाजपा की तरफ से शुक्रवार को जारी की गई जानकारी के मुताबिक नितिन नवीन संगठन को मजबूती देने के साथ शक्ति केंद्र संयोजक सम्मेलन को भी संबोधित करेंगे। उत्तर प्रदेश भाजपा की नई टीम गठित होने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष का यह प्रदेश का पहला दौरा है।

नितिन नवीन लखनऊ स्थित चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे, जहाँ पार्टी कार्यकर्ता उनका स्वागत करेंगे। वे सीधे प्रदेश भाजपा मुख्यालय के लिए रवाना होंगे जो एक भव्य रोड शो की शक्ल में आलमबाग, श्री टीएन चतुर्वेदी चौराहा चारबाग, दीनदयाल स्मृतिका, महाराणा प्रताप चौराहा और बर्लिंगटन चौराहा होते हुए प्रदेश भाजपा मुख्यालय तक पहुंचेगा। कार्यालय में नितिन नवीन प्रदेश भाजपा पदाधिकारियों, क्षेत्रीय अध्यक्षों, प्रदेश मोर्चा अध्यक्षों तथा जिला अध्यक्षों के साथ महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक करेंगे। भाजपा अध्यक्ष लखनऊ, पुराना हैदराबाद स्थित प्रसिद्ध श्री हुनमान सेतु मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद वे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, उप-मुख्यमंत्री द्वय, भाजपा सांसदों, विधायकों एवं विधान परिषद सदस्यों के साथ बैठक करेंगे। इसके ठीक बाद वे उत्तर प्रदेश भाजपा कोर कमिटी के साथ बैठक करेंगे।

ब्रह्मांड संभवतः हर दिशा में एक जैसा नहीं है : अध्ययन

लंदन। डार्क एनर्जी स्पेक्ट्रोस्कोपिक इंस्ट्रूमेंट (डीईएसआई) से प्राप्त ताजा आंकड़ों के विश्लेषण के बाद शोधकर्ताओं का दावा है कि ब्रह्मांड संभवतः हर दिशा में एक जैसा नहीं है। यदि यह निष्कर्ष आगे के अध्ययनों में भी सही साबित होता है, तो आधुनिक ब्रह्मांड विज्ञान के कई स्थापित सिद्धांतों की दोबारा समीक्षा करनी पड़ सकती है। ब्रह्मांड की संरचना को लेकर वैज्ञानिकों के बीच लंबे समय से चली आ रही मान्यताओं पर एक नए शोध ने बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। डीईएसआई परियोजना ने लगभग 11 अरब प्रकाश-वर्ष दूर स्थित 4.7 करोड़ आकाशगंगाओं का अत्यंत विस्तृत मानचित्र तैयार किया है। इसी विशाल डेटा का अध्ययन खगोल वैज्ञानिक फ्रांसिस्को साइलोस लाबिनी और मार्को गैलोप्पो ने किया। उनके निष्कर्ष प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका नेचर में प्रकाशित हुए हैं, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक समुदाय में नई बहस शुरू हो गई है। शोधकर्ताओं का मानना है कि ब्रह्मांड की संरचना हमारी अब तक की समझ से कहीं अधिक जटिल हो सकती है।

चीनी प्रेम में ट्रंप ने खेला खेल, इंडो पैसिफिक से इंडो शब्द को हटाया

वाशिंगटन चीन के साथ टकराव कम करने की नीति अपना रहा

वाशिंगटन

अमेरिका की विदेश और रक्षा रणनीति दस्तावेज से एक छोटा-सा शब्द हटाना भी बड़े भू-राजनीतिक संकेत देता है। इसी कारण हाल के दिनों में अमेरिकी प्रशासन के कुछ आधिकारिक दस्तावेजों में इंडो-पैसिफिक की जगह केवल पैसिफिक शब्द का इस्तेमाल चर्चा का विषय बना हुआ है। पहली नजर में यह महज एक शब्द का हटाया जाना भर है लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति में इसके गहरे मायने हैं। यही वजह है कि इस बदलाव को चीन, भारत, जापान और पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति-संतुलन की राजनीति से जोड़कर देखा जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक करीब एक दशक पहले तक दुनिया इस क्षेत्र को मुख्य रूप से एशिया-पैसिफिक कहती थी, लेकिन भारत के बढ़ते आर्थिक, सामरिक और समुद्री प्रभाव को देखते हुए जापान ने सबसे पहले इंडो-पैसिफिक की अवधारणा को प्रमुखता से आगे बढ़ाया। बाद में अमेरिका, आस्ट्रेलिया और यूरोपीय देशों ने भी इसी शब्द को अपनी आधिकारिक रणनीति का हिस्सा बना लिया। इसका सीधा संदेश था कि हिंद महासागर और प्रशांत महासागर अब अलग-अलग नहीं, बल्कि एक साझा सामरिक क्षेत्र हैं और भारत इस पूरे क्षेत्र की सुरक्षा, व्यापार और समुद्री संतुलन का प्रमुख स्तंभ है। यदि अमेरिकी प्रशासन आधिकारिक भाषा में लगातार इंडो-पैसिफिक की जगह केवल पैसिफिक का इस्तेमाल करता है, तो इसे केवल भाषाई बदलाव नहीं माना जाएगा। इसका राजनीतिक संदेश यह हो सकता है कि वाशिंगटन फिलहाल चीन के साथ टकराव कम करने की नीति अपना रहा है। ट्रंप लंबे समय से यह कहते रहे हैं कि अमेरिका को चीन के साथ प्रतिस्पर्धा तो करनी चाहिए, लेकिन अनावश्यक टकराव से बचना भी जरूरी है।

ईरान में खामेनेई के ताबूत पर रखा गया खास लाल झंडा, पहली बार नजर आए आईआरजीसी के नए कमांडर अहमद वाहिदी

तेहरान

ईरान में इस साल 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल की संयुक्त सैन्य कार्रवाई में मारे गए देश के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की रस्में शुरू हो गई हैं। खामेनेई के ताबूत के पास एक खास लाल झंडा रखा गया है। दिवंगत नेता के अंतिम संस्कार का कार्यक्रम शुरू होने से पहले इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) के नए कमांडर ब्रिगेडियर जनरल अहमद वाहिदी पहली बार सार्वजनिक रूप से नजर आए।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका से युद्ध के बाद आईआरजीसी के कमांडर अहमद वाहिदी पहली बार सार्वजनिक रूप से दिखाई दिए। उन्हें रात को अयातुल्ला खामेनेई के अंतिम संस्कार जुलूस (जो 4 जुलाई से शुरू होगा) से पहले उनके ताबूत के पास देखा गया। तेहरान में हुसैनी इमाम खुमैनी के पास विदाई समारोह के लिए अयातुल्ला अली खामेनेई का पार्थिव शरीर पहुंच गया है। हुसैनी इमाम खुमैनी तेहरान में स्थित एक प्रमुख धार्मिक और राजनीतिक सभा स्थल है।

अली खामेनेई ने तीन दशकों से ज्यादा समय तक देश का नेतृत्व किया है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स के नए प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल अहमद वाहिदी ने पूर्ववर्ती मोहम्मद पाकपौर की जगह ली है। पाकपौर ईरान पर शुरुआती अमेरिकी-इजराइली हमलों में मारे गए थे। वाहिदी ने गुरुवार रात पूर्व सर्वोच्च नेता खामेनेई के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में हिस्सा लिया। 1970 के दशक के आखिर में आईआरजीसी की शुरुआत से ही उससे जुड़े रहे वाहिदी 1980 के दशक में ऊंचे पदों पर पहुंचे और खुफिया व सैन्य विभागों में अहम भूमिकाएं निभाईं। उन्होंने 1988 से 1997 तक कुद्स फोर्स का नेतृत्व किया। बाद में वाहिदी ने यह भूमिका ईरान के मशहूर कमांडर कासिम सुलेमानी को सौंप दी। सुलेमानी 2020 में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर हुए हवाई हमले में मारे गए। दिसंबर 2025 में सर्वोच्च नेता खामेनेई ने वाहिदी को आईआरजीसी का उप प्रमुख नियुक्त किया। वाहिदी ने वरिष्ठ राजनीतिक भूमिकाएं भी निभाई हैं। वह पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद के कार्यकाल में रक्षामंत्री और फिर दिवंगत राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के कार्यकाल में गृहमंत्री रहे।

दिवंगत सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के ताबूत पर इमाम रजा दरगाह का खास लाल झंडा रखा गया है। जार्जटाउन यूनिवर्सिटी में मध्य पूर्व और इस्लामी राजनीति के एसोसिएट प्रोफेसर नादेर हाशमी का मानना है कि लाल झंडा हुसैन इब्न अली के बलिदान का प्रतीक है। हुसैन इब्न अली पैगंबर मोहम्मद के पोते हैं। वह कर्बला की लड़ाई में मारे गए थे।

हाशमी ने कहा, कर्बला की लड़ाई में उनकी मौत और शहादत शिया मुसलमानों के लिए एक महत्वपूर्ण नैतिक संदर्भ बिंदु है। इसीलिए इस्लामिक गणराज्य ईरान अपने सर्वोच्च नेता की अमेरिकी और इजराइली हमले में हुई मौत की तुलना उनसे करने की कोशिश कर रहा है।

ब्रीफ न्यूज़

संत रविदास स्वरोजगार योजना से मंजुबाई और कमलसिंह बने आत्मनिर्भर

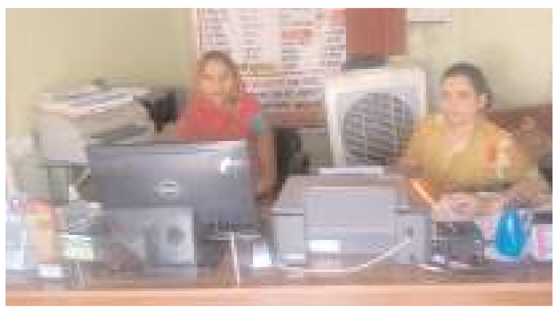

राजगढ़। राजगढ़ जिले के ग्राम हबीपुरा निवासी श्रीमती मंजुबाई एवं उनके पति श्री कमलसिंह ने जिला अंत्यावसायी विभाग की संत रविदास स्वरोजगार योजना का लाभ लेकर अपना स्वरोजगार शुरू किया। वर्ष 2025-26 में ऑनलाइन आवेदन के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा राजगढ़ से उन्हें 3 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। ऋण मिलने पर उन्होंने राजगढ़ में यूनियन बैंक के पास एमपी ऑनलाइन सेंटर एवं बैंक ऑफ बड़ौदा की कियोस्क शुरू की। वर्तमान में दुकान से अच्छी आय हो रही है। दुकान का किराया और बैंक ऋण की मासिक किस्त जमा करने के बाद भी उन्हें लगभग 13 हजार रुपये प्रतिमाह की बचत हो रही है। श्रीमती मंजुबाई एवं श्री कमलसिंह का कहना है कि इस योजना ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाया है और आज वे अपना जीवन-यापन अच्छे से कर रहे हैं। वे इस अवसर के लिए मध्यप्रदेश शासन एवं जिला अंत्यावसायी विभाग का आभार व्यक्त करते हैं।

विभिन्न ज्वलंत मुद्दों को लेकर कांग्रेस का प्रदेशव्यापी आंदोलन

अशोकनगर। जिला कांग्रेस कार्यालय में आज कांग्रेस की एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता संपन्न हुई। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेंद्र कुशवाह ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, यह सरकार राम के नाम पर सत्ता में आई है और भगवान रामजी के नाम से ही वापस जाएगी। कांग्रेस नेताओं ने बताया कि मध्य प्रदेश कांग्रेस द्वारा युवाओं के भविष्य, किसानों के संकट, उज्जैन भूमि प्रकरण और बढ़ते भ्रष्टाचार के खिलाफ पूरे प्रदेश में चरणबद्ध जनआंदोलन शुरू किया जा रहा है। कांग्रेस का आरोप है कि प्रदेश में नीट और सीबीएसई विवादों के कारण लाखों छात्रों का भविष्य अधर में है, जिसके खिलाफ कांग्रेस छात्रों की गूंज अभियान चलाएगी। प्रेस वार्ता में किसानों की बदहाली का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। नेताओं ने कहा कि खरीफ सीजन में किसानों को डीएपी और यूरिया के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। टोकन व्यवस्था और खाद की कालाबाजारी ने किसानों को परेशान कर दिया है। इसके अलावा, राष्ट्रीय मीडिया में उजागर हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से जुड़े उज्जैन भूमि प्रकरण और महाकाल लोक निर्माण में हुई वित्तीय अनियमितताओं पर भी सरकार को घेरा गया। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि मुख्यमंत्री इन सभी सवालों के जवाब नहीं देते, तो वे तत्काल अपने पद से इस्तीफा दें। इस वार्ता में मुख्य रूप से विधायक इंजी. हरिबाबू राय, अशोक शर्मा, गिरीश जैन, अभिजीत रघुवंशी, अमन महाराज और अजय खजुरिया सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विदिशा जिला अस्पताल के गेट पर हुई महिला की डिलीवरी, उमंग सिंघार ने स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर उठाए सवाल, दोषियों पर कार्रवाई की मांग

भोपाल। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के संसदीय क्षेत्र विदिशा

की यह घटना साबित करती है कि प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग खुद गंभीर रूप से बीमार हो चुका है और पूरी तरह 'तबादला उद्योग' के भरोसे चल रहा है। विदिशा जिला अस्पताल में एक गर्भवती महिला की डिलीवरी अस्पताल के मुख्य द्वार पर हो गई और नवजात शिशु करीब पच्चीस मिनट तक फर्श पर तड़पता रहा। परिजनों ने डॉक्टरों और स्टाफ की भारी लापरवाही का आरोप लगाया है। इस घटना को लेकर कांग्रेस ने फिर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर सवाल उठाए हैं। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि मानवता को शर्मसार करने वाली इस घटना ने मध्यप्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाल स्थिति को उजागर कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पताल के मुख्य द्वार पर प्रसूता की डिलीवरी होना और समय पर चिकित्सकीय सहायता नहीं मिलना गंभीर प्रशासनिक विफलता का उदाहरण है। उन्होंने दोषी डॉक्टरों, अस्पताल स्टाफ और सिविल सर्जन के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि ऐसी संवेदनहीनता किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जा सकती है।

क्या है मामला: मामला गुरुवार दोपहर का है। सिरोंज तहसील के सहस्त्राबाद निवासी सुनील यादव अपनी गर्भवती पत्नी सुखवती बाई को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे थे। सातवें महीने की गर्भवती महिला को भर्ती कराया गया लेकिन परिजनों का कहना है कि इलाज और निगरानी में लापरवाही बरती गई। रात करीब साढ़े नौ बजे महिला कोतेज दर्द शुरू होने पर जब परिजन उन्हें बाहर ले जा रहे थे, उसी दौरान अस्पताल के मुख्य गेट पर डिलीवरी हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि इस दौरान न कोई डॉक्टर मौजूद था और न ही कोई नर्स। नवजात शिशु पच्चीस मिनट तक फर्श पर पड़ा रहा। बाद में बच्चे को गंभीर हालत में आईसीयू में भर्ती कराया गया। सुनील यादव ने कहा कि उन्हें कोई मदद नहीं मिली और उन्हें खुद बच्चे को उठाना पड़ा।

उमंग सिंघार ने सरकार को घेरा: उमंग सिंघार ने इस घटना को मानवता को शर्मसार करने वाली बताते हुए कहा, ह्लयह घटना साबित करती है कि मध्यप्रदेश का स्वास्थ्य विभाग गंभीर रूप से बीमार है। जिला अस्पतालों में डॉक्टरों की गैरमौजूदगी और स्टाफ का अमानवीय रवैया आम हो गया है। कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि स्वास्थ्य विभाग पर आने वाले करोड़ों रुपये कहां जा रहे हैं और प्रबंधन कहां सोया हुआ था। उन्होंने विदिशा जिला अस्पताल के दोषी डॉक्टरों, स्टाफ और सिविल सर्जन पर तुरंत सख्त कार्रवाई की मांग की है।

तोतापुरी आम के किसानों को केंद्र की बड़ी राहतः गठित की विशेषज्ञ समिति

तोतापुरी आम की गिरती कीमतों पर उच्च स्तरीय समिति करेगी समग्र अध्ययनः शिवराज सिंह

दीनबन्धु • संवाददाता
dinbandhunews.com

नईदिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आंध्र प्रदेश के हालिया दौरे के दौरान तोतापुरी आम उत्पादक किसानों के साथ व्यापक संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से लिया। किसानों ने अवगत कराया कि प्रसंस्करण के लिए बड़े पैमाने पर उगाई जाने वाली तोतापुरी आम किस्म की कीमतों में हाल के समय में उल्लेखनीय गिरावट आई है, जिसके कारण राज्य के आम उत्पादक किसानों को गंभीर आर्थिक संकट और असमंजस की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। इस स्थिति की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने तत्काल भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के माध्यम से वैज्ञानिकों एवं संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधियों की एक उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति गठित करने के निर्देश दिए, ताकि तोतापुरी आम क्षेत्र की पूरी वैल्यू चेन का समग्र अध्ययन कर किसानों को लाभकारी मूल्य और क्षेत्र के दीर्घकालिक, सतत विकास के लिए ठोस समाधान प्रस्तुत किए जा सकें।

विशेषज्ञ समिति का गठनः आईसीएआर केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, लखनऊ द्वारा जारी कार्यालय आदेश में बताया गया है कि आंध्र प्रदेश के दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के संज्ञान में आया कि राज्य में प्रसंस्करण हेतु व्यापक रूप से उगाई जाने वाली तोतापुरी आम किस्म की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट हुई है, जिससे आम उत्पादक किसानों में चिंता और असंतोष का माहौल है। इसी संदर्भ में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए हैं कि आईसीएआर द्वारा एक विशेषज्ञ टीम गठित की जाए, जो तोतापुरी आम की खेती से लेकर प्रसंस्करण, विपणन, घरेलू और निर्यात बाजार तक से जुड़े मुद्दों का विस्तृत अध्ययन करे और उपयुक्त समाधान सुझाए। जारी कार्यालय आदेश के अनुसार, गठित विशेषज्ञ समिति में निम्नलिखित सदस्य शामिल हैंः डॉ. टी. दमोदरन, निदेशक, आईसीएआर सीआईएसएच, लखनऊ अध्यक्ष, डॉ. एम. शंकरन, प्रमुख, फ्रूट क्रॉप्स, आईसीएआर आईआईएचआर, बेंगलुरु सदस्य, डॉ. एच.एस. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, आईसीएआर सीआईएसएच, लखनऊ सदस्य, डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी, प्रोफेसर, कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर, अनंत राजपेटा, वाईएसआर हॉर्टिकल्चर यूनिवर्सिटी, आंध्र प्रदेशझ्र सदस्य, निदेशक (उद्यानिकी), आंध्र प्रदेश अथवा उनके नामित प्रतिनिधि सदस्य।

10 दिनों में क्षेत्रीय दौरा, किसानों से सीधा संवादः केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा समिति को निर्देश दिए गए हैं कि वह अगले 10 दिनों के भीतर आंध्र प्रदेश के प्रमुख तोतापुरी आम उत्पादक क्षेत्रों का दौरा कर जमीनी स्थिति का प्रत्यक्ष आकलन करे। क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान समिति किसानों, प्रसंस्करण उद्योगों, निर्यातकों, राज्य सरकार के उद्यानिकी अधिकारियों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और अन्य संबंधित हितधारकों से विस्तृत चर्चा करेगी। इस दौरान समिति का फोकस निम्न मुख्य बिंदुओं पर रहेगाः तोतापुरी आम की खेती की वर्तमान स्थिति, उत्पादन लागत और किसानों की आय, प्रसंस्करण उद्योगों की क्षमता, उपयोग स्तर और मांगझ्रआपूर्ति का संतुलन, घरेलू बाजार और निर्यात बाजार में कीमतों में गिरावट के वास्तविक कारण, वैल्यू चेन के अलगझ्रअलग स्तरों पर आने वाली चुनौतियाँ और संभावित सुधार उपाय। इन चचाओं और क्षेत्रीय आंकड़ों के आधार पर समिति कीमतों में हालिया गिरावट के कारणों का वैज्ञानिक और आर्थिक विश्लेषण करेगी, ताकि नीतिझ्रनिर्माण के लिए तथ्यपरक आधार उपलब्ध हो सके। क्षेत्रीय भ्रमण और समग्र अध्ययन के उपरांत विशेषज्ञ समिति केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी। इस प्रतिवेदन में तोतापुरी आम क्षेत्र के लिए मूल्य स्थिरीकरण के उपाय, मूल्य संवर्धन (वैल्यू एडिशन) को प्रोत्साहन देने वाली रणनीतियाँ, प्रसंस्करण और निर्यात क्षमता बढ़ाने के लिए आवश्यक हस्तक्षेप, एफपीओ, प्रोसेसर और एक्सपोर्टर्स की बेहतर समन्वय व्यवस्था, क्षेत्र के दीर्घकालिक और सतत विकास के लिए नीतिगत सुझाव जैसी क्रियान्वयन योग्य अनुशंसाएँ शामिल की जाएँगी, ताकि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर इस क्षेत्र के लिए एक व्यापक कार्य योजना लागू कर सकें। केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि तोतापुरी आम किसानों की आय और आजीविका की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है और विशेषज्ञ समिति की अनुशंसाओं के आधार पर ऐसे कदम उठाए जाएंगे, जिनसे आंध्र प्रदेश के आम उत्पादक किसानों को स्थायी राहत मिले, उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हो और इस क्षेत्र में रोजगार और निवेश के नए अवसर उत्पन्न हों।

चोरों के हौसले बुलंदः रोहिलपुरा चौराहे स्थित कबाड़ की दुकान से तांबे का सामान चोरी

सिरोंज। नगर में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था और रात्रि गश्त पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ताजा मामला शहर के रोलपुर चौराहे का है, जहां बीती रात अज्ञात चोरों ने एक कबाड़ की दुकान को निशाना बनाकर हजारों रुपये मूल्य का तांबे का सामान और अन्य सामग्री चोरी कर ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दुकान संचालक सगीर कुरैशी ने बताया कि चोरों ने रात के समय सूनी दुकान का फायदा उठाते हुए वहां रखा कीमती तांबे का सामान और अन्य कबाड़ सामग्री पर हाथ साफ कर दिया। सुबह जब वह अपनी दुकान पर पहुंचे, तब चोरी की घटना का पता चला, जिसके बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। लगातार हो रही चोरी की वारदातों से स्थानीय व्यापारियों और आम नागरिकों में भय और आक्रोश का माहौल है। व्यापारियों का कहना है कि शहर के प्रमुख चौराहों और बाजार क्षेत्रों में भी सुरक्षा व्यवस्था कमजोर पड़ती दिखाई दे रही है, जिससे अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्त बढ़ाने और चोरी की बढ़ती घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की है।

आधी अधूरी टंकी छोड़ भागे मजदूर बरसात में हादसो को दे रही है निमंत्रण

मंडीदीप/शिवपुरी गोस्वामी। औद्योगिक शहर मंडीदीप की प्यास बुझाने के लिए भर कोशिश प्रयास किया जा रहे हैं इसके लिए एक बड़ा प्रोजेक्ट

संचालित है जिसके तहत अमृत पेयजल योजना 2 के अंतर्गत 50 करोड़ 80 लख रुपए के कार्यों को जमीनी स्तर पर उतरने का प्रयास किया जा रहा है जिसमें पाइपलाइन डवलूटीपी प्लांट टांकी निर्माण आदि शामिल है पुरानी जर्जर हो चुकी टंकियां को तोड़कर उन्हें पुन निर्माण करना जर्जर हो चुकी नगर में तीन टंकियां थी बाढ़ क्रमांक एक दीप नगर वार्ड क्रमांक 12 इंदिरा नगर वार्ड क्रमांक 21 पटेल नगर इन टंकियां को तोड़कर पुण्य निर्माण करना है और टोटल 10 टंकी का निर्माण होना वार्ड नंबर 12 की जो टंकी आधी अधूरी टूटी पड़ी है जो कि मजदूर छोड़कर चले गए नगर पालिका अपना ध्यान आकर्षित करे और ऐसे अधूरे पड़े कार्यो को जल्दी से जल्दी पूर्ण काराय जिस की बरसात में किसी प्रकार की अनहोनी ना हो लोगों को आना जाना इसी टंकी के आसपास से होता है।

स्मार्ट मीटर लगाने पहुंचे कर्मचारियों की दबंगई

विरोध करने पर रहवासी को पीटा, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

दीनबन्धु • संवाददाता
dinbandhunews.com

अशोकनगर। शहर में बिजली कंपनी द्वारा लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामला विनीत टॉकीज गली से सामने आया है, जहां स्मार्ट मीटर लगाने पहुंचे ठेकेदार के कर्मचारियों ने न केवल जबरन मीटर लगाने की कोशिश की, बल्कि विरोध करने पर एक रहवासी के साथ जमकर मारपीट कर दी। घायल रहवासी ने इस मामले की शिकायत सिटी कोतवाली में दर्ज कराई है। पीड़ित सुनील कुमार जैन ने बताया कि विनीत टॉकीज वाली गली में ठेकेदार के कर्मचारी बिना किसी पूर्व सूचना या रहवासियों की सहमति के जबरन स्मार्ट मीटर लगा रहे थे। जब स्थानीय लोगों ने इस पर अपनी आपत्ति जताई, तो कर्मचारी अभद्रता पर उतर आए। देखते ही देखते

विवाद इतना बढ़ गया कि कर्मचारियों ने रहवासियों के साथ मारपीट शुरू कर दी। इस झड़प में सुनील कुमार जैन को चोटें आई हैं। ठेकेदार के कर्मचारियों द्वारा की गई इस गुंडागर्दी और मारपीट की पूरी वारदात गली में लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि किस तरह मामूली बहस के बाद कर्मचारी हिंसक हो गए और रहवासी के साथ हाथापाई करने लगे। वारदात के बाद घायल अवस्था में पीड़ित सुनील कुमार जैन सिटी कोतवाली पुलिस थाने पहुंचे और लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। अशोकनगर शहर में स्मार्ट मीटर लगाने के नाम पर ठेकेदारों और उनके कर्मचारियों की मनमानी के मामले अक्सर सामने आ रहे हैं। कई इलाकों में बिना उपभोक्ताओं को विश्वास में लिए और बिना उनकी सहमति के जबरन पुराने मीटर बदले जा रहे हैं, जिसके चलते आए दिन विवाद की स्थितियां निर्मित हो रही हैं। फिलहाल, सिटी कोतवाली पुलिस ने पीड़ित की शिकायत और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी।

युवाओं के भविष्य, किसानों के संकट, भ्रष्टाचार के सवालों पर प्रदेशव्यापी जनआंदोलन

दीनबन्धु • संवाददाता
dinbandhunews.com

राजगढ़। जिला मुख्यालय पर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा कांग्रेस कार्यालय पर एक प्रेस वार्ता आयोजित की जिसमे जिला कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष, पूर्व ऊर्जा मंत्री प्रियव्रत सिंह खींची ने प्रेस वार्ता में बताया की मध्य प्रदेश कांग्रेस द्वारा प्रदेशभर में चरणबद्ध जनआंदोलन प्रारंभ किया जा रहा है। यह आंदोलन प्रदेश के युवाओं, किसानों और आम नागरिकों के अधिकारों की रक्षा, सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने तथा भ्रष्टाचार एवं सत्ता के दुरुपयोग के विरुद्ध

लोकतांत्रिक संघर्ष का अभियान है।

युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ः मध्य प्रदेश में लाखों युवाओं का भविष्य लगातार संकट में डाला जा रहा है। नीट एवं सीबीएसई परीक्षा से जुड़े विवादों तथा विद्यार्थियों की शिकायतों ने शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े किए हैं। प्रभावित विद्यार्थियों ने न्याय की गुहार लगाई, लेकिन उन्हें समय पर राहत नहीं मिली। मध्य प्रदेश कांग्रेस लगातार छात्रों के साथ खड़ी रही है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी युवाओं के साथ हुए कथित अन्याय का मुद्दा राष्ट्रीय स्तर पर उठाया। इन्हीं विषयों को लेकर प्रदेश कांग्रेस ‡छात्रों की गूंज‡ अभियान के माध्यम से प्रदेशभर के विद्यार्थियों के बीच जाएगी तथा शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और न्याय की मांग करेगी।

किसानों के साथ अन्यायः खरीफ सीजन के बीच प्रदेश का किसान गंभीर संकट से गुजर रहा है। किसानों को समय पर डीएपी, यूरिया और अन्य उर्वरक उपलब्ध नहीं हो रहे हैं। अनेक स्थानों पर डीएपी उपलब्ध नहीं है, एनपीके महंगे दामों पर वेची जा रही है और खाद वितरण व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। टोकन व्यवस्था के कारण किसानों को कई-कई दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है। प्रदेश के अनेक जिलों से खाद की कालाबाजारी, मनमाने दाम वसूले जाने तथा पर्याप्त बिजली उपलब्ध नहीं होने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं, जिससे खरीफ की बुवाई प्रभावित हो रही है। मूंग खरीदी का कोटा कम किए जाने तथा समर्थन मूल्य पर सीमित खरीद के कारण भी किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है।

दीनब

खेल एवं युवा कल्याण विभाग की कार्यप्रणाली फिर सवालों के घेरे में

अभ्यास करने वाले खिलाड़ी भुगत रहे विभाग की लापरवाही का खामियाजा

दीनबन्धु • संवाददाता
dinbandhunews.com

राजगढ़। राजगढ़ में खेल एवं युवा कल्याण विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। उत्कृष्ट विद्यालय परिसर स्थित बैडमिंटन हॉल में अभ्यास करने वाले खिलाड़ी विभाग की कथित लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे हैं। खिलाड़ियों का आरोप है कि कोर्ट का निर्माण मानकों के अनुरूप नहीं किया गया, जिससे खेल प्रदर्शन प्रभावित होने के साथ-साथ स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। खिलाड़ियों के अनुसार बैडमिंटन कोर्ट

में सीमेंट की फ्लोरिंग के ऊपर सीधे सिंथेटिक मैट बिछाई गई है, जबकि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार सिंथेटिक कोर्ट के नीचे वुडन बेस होना चाहिए। उनका कहना है कि हार्ड फ्लोर के कारण खेलते समय घुटनों और एड़ियों में दर्द होता है, जिससे उनकी गति और प्रदर्शन दोनों प्रभावित हो रहे हैं। बच्चों से लेकर वरिष्ठ खिलाड़ियों तक का कहना है कि अन्य जिलों के बैडमिंटन कोर्ट में वुडन बेस पर सिंथेटिक फ्लोरिंग लगी हुई है, लेकिन राजगढ़ में ऐसा नहीं किया गया। ऐसे में सवाल उठता है कि कोर्ट निर्माण के समय स्वीकृत तकनीकी मानकों का पालन हुआ या नहीं यदि नहीं, तो जिम्मेदार कौन है खिलाड़ियों का यह भी आरोप है कि उन्होंने अपनी समस्या कई बार विभाग के अधिकारियों के सामने रखी। वहीं कोच मनी शर्मा और सीनियर कोच प्रकाश परमार ने भी इस मामले की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या खेल और युवा कल्याण विभाग खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और भविष्य के साथ समझौता कर रहा है क्या निर्माण कार्य में अनियमितता या भ्रष्टाचार हुआ है? और यदि खिलाड़ियों के आरोप सही हैं, तो जिम्मेदार अधिकारियों पर कब होगी कार्रवाई फिलहाल खिलाड़ी निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं, ताकि खेल सुविधाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप उपलब्ध कराई जा सकें और उभरती प्रतिभाओं का भविष्य सुरक्षित रह सके।

ब्रीफ न्यूज़

मांगों के निराकरण तक निगम कर्मचारियों का अनिश्चितकालीन धरना 12 वें दिन जारी

सागर। नगर पालिक निगम के कर्मचारियों की लंबित समस्याओं एवं 13 सूत्रीय मांगों के निराकरण को लेकर सभी कर्मचारी संगठनों द्वारा चलाया जा रहा अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन सोमवार को 12 वें दिन भी जारी रहा। पुरानी निगम कार्यालय भवन परिसर में बड़ी संख्या में कर्मचारी एवं संगठन पदाधिकारी एकत्रित होकर अपनी मांगों के समर्थन में बैठे। धरना स्थल पर को संबोधित करते हुए नगर निगम नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रांतीय सचिव एवं सागर संभाग प्रभारी राजेश सिंह राजपूत, जिलाध्यक्ष शईदउद्दीन कुरैशी तथा कर्मचारी कल्याण मोर्चा के अध्यक्ष हरेंद्र खटीक ने कहा कि कर्मचारियों की 13 सूत्रीय विभिन्न मांगों एवं समस्याओं के संबंध में निगम प्रशासन द्वारा पूर्व में कई बार आश्वासन दिए गए, परंतु अभी तक कोई निराकरण नहीं किया गया है, उन्होंने कहा कि इस बार कर्मचारी केवल आश्वासनों पर ,भरोसा नहीं करेंगे और जब तक 13 सूत्रीय मांगों का ठोस समाधान नहीं हो जाता, तब तक आंदोलन एवं धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा। निगम प्रशासन को जगाने के लिए 6 जुलाई को सभी कर्मचारी शंख,झालर,ढोल बजाकर प्रदर्शन करेंगे तथा 7 जुलाई को सभी कर्मचारी प्रशासन को सद्बुद्धि प्रदान करने के लिए सुंदर काण्ड का पाठ कर भगवान से प्रार्थना करेंगे। कर्मचारी संघ के नेताओं ने कहा कि कर्मचारी लंबे समय से अपने अधिकारों एवं सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। निगम प्रशासन को कर्मचारियों की जायज मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए।

उज्जैन से अयोध्या तक पदयात्रा करेंगे दिग्विजय सिंह, 2 अक्टूबर से होगी शुरूआत

भोपाल। राम मंदिर चंदा चोरी मामले को लेकर मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने घोषणा की है कि वे बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से राम नगरी अयोध्या तक पदयात्रा करेंगे। इस यात्रा की शुरूआत 2 अक्टूबर, 2026 को उज्जैन से होगी। शुक्रवार को दिग्विजय सिंह ने अपने भोपाल स्थित आवास के बाहर ₹चंदा चोरों का प्रवेश वर्जित₹ लिखे पोस्टर भी लगवाए। इस दौरान उन्होंने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी कर विश्व हिंदू परिषद और फ्रर से जुड़े लोगों ने करोड़ों रामभक्तों की आस्था के साथ कुठाराघात किया है। इसी के विरोध में उन्होंने उज्जैन से अयोध्या तक पदयात्रा करने का ऐलान किया है। दिग्विजय सिंह ने कहा, ₹राम मंदिर निर्माण के लिए दो बार चंदा लिया गया। भगवान श्रीराम के प्रति अपार श्रद्धा और आस्था होने के कारण हम जैसे करोड़ों रामभक्तों ने दोनों बार चंदा दिया। लेकिन जो शिकायतें सामने आ रही हैं, वे सभी के सामने हैं। प्रतिदिन आने वाले चढ़ावे में 10 से 20 प्रतिशत तक की चोरी हो रही थी। इसलिए मैंने फैसला लिया है कि मैं अदालत में दावा पेश करूंगा कि मैंने जो चंदा दिया था, वह मुझे वापस किया जाए। उसके बाद वह राशि रामालय ट्रस्ट को दी जाएगी।

गैस किट की ओमनी एवं दो अन्य स्कूली वाहन जप्त

सागर। स्कूल में अध्ययनरत ऐसे छात्र-छात्रायें जो स्कूली वाहनों से स्कूल आते-जाते है, उनकी सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के निर्देश पर आज 16 स्कूली वाहनों को चैक किया गया, जिनमें से ओमनी वाहन क्रमांक टढ35इअ0302 जो एल.पी.जी. गैस किट से संचालित होते हुए पाई गई। टाटा मैजिक वाहन क्रमांक टढ15ळ2748 एवं ईको वाहन क्रमांक टढ15फ8895 में फायर सिस्टम नहीं पाया गया तथा क्षमता से अधिक स्कूली बच्चे बैठे पाये जाने पर उक्त सभी 03 वाहनों को जप्त कर कार्यालय परिसर में सुरक्षार्थ रखा गया। साथ ही आज की कार्यवाही में अधिकांश स्कूल बसें नियमानुसार संचालित होते हुए पाई गई। चैंकिग का प्रभाव स्पष्ट परिलक्षित हो रहा है। उक्त कार्यवाही शहरी क्षेत्र में की गई थी। चैकिंग के कारण कुछ वाहन चालकों द्वारा रास्ता बदलकर जाने का प्रयास किया। किन्तु जांच दल द्वारा उन्हें जांच दायरे में लिया गया तथा कमी पाये जाने पर वाहन जप्त की गई है। लगातार चैकिंग के बाद भी कुछ वाहनस्वामियों द्वारा गैस किट लगाकर स्कूलों में वाहन संचालित किये जा रहे है, जो बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ है, एवं सुरक्षा मानकों के विपरीत है, बच्चों की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते समस्त अभिभावकों से अपील की जाती है कि वह बच्चों को ऐसे स्कूली वाहन में स्कूल न भेजे जो एलपीजी गैस किट से संचालित है, या अनफिट प्रतीत होते है। स्कूल प्रबंधन से अपील की जाती है कि संस्था में ऐसे वाहनों का प्रवेश न होने दे जो गैस किट लगाकर स्कूलों में संचालित किये जा रहे है।

अचारपुरा इंडस्ट्रियल एरिया में खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, बी.के. फूड प्रोडक्ट्स' पर छापामार कार्रवाई, अमानक स्तर पर चल रही फैक्ट्री को किया सील

भोपाल। राजधानी भोपाल के अचारपुरा इंडस्ट्रियल एरिया (ईंटखेड़ी) में आज खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। टीम ने नियमों का उल्लंघन कर अमानक परिस्थितियों में संचालित हो रही बेकरी और मिठाई निर्माण इकाई 'बी.के. फूड प्रोडक्ट्स' पर छापामार कार्रवाई की। मौके पर भारी अनियमितताएं और गंदगी पाए जाने के कारण खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने आगामी आदेश तक परिसर को तत्काल प्रभाव से बंद (सील) कर दिया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि शुक्रवार को मुख्या. खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री शिवराज पावक और महिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती साधना सक्सेना शामिल थे। जांच के लिए प्लॉट नंबर 96, अचारपुरा इंडस्ट्रियल एरिया पहुंची। जांच के दौरान जब फैक्ट्री के प्रभारी इंद्र कुकेरजा पिता श्री रमेश कुकेरजा से ऋरअकलाइसेंस मांगा गया, तो उन्होंने जो लाइसेंस (नंबर 11423010000136) दिखाया, वह उस पते के लिए वैध नहीं था। लाइसेंस पर 'किसान मार्केट, शॉप नं. 04, लाम्बाखेड़ा, बैरसिया रोड, भोपाल' का पता दर्ज था, जबकि पिछले एक महीने से अवैध रूप से इस निर्माण कार्य को अचारपुरा में शिफ्ट कर चलाया जा रहा था।बारिश के मौसम में खुले में बन रहे थे कुकीज और गुलाब जामुन निरीक्षण के दौरान फैक्ट्री के भीतर का नजारा बेहद चौंकाने वाला था। बारिश के इस सीजन में मानवीय उपयोग के लिए तैयार किए जा रहे कुकीज, गुलाब जामुन, क्रीमरोल और क्रीम बिस्कुट जैसी खाद्य सामग्रियां बिल्कुल खुली और असुरक्षित अवस्था में रखी पाई गईं, जिससे उनमें संक्रमण का भारी खतरा था।

जांच में सामने आईं ये गंभीर कमियां: खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के शेड्यूल-4 -4) का उल्लंघन करते हुए फैक्ट्री में कई गंभीर खामियां पाई गईं।

टाइल्स और पेस्ट कंट्रोल गायब: निर्माण स्थल की दीवारों पर जरूरी टाइल्स नहीं लगी थीं। इसके अलावा मौके पर न तो कोई पेस्ट कंट्रोल सर्टिफिकेट मिला और न ही कीट प्रबंधन की कोई व्यवस्था थी।

कर्मचारियों का मेडिकल अनफिट

फैक्ट्री में काम कर रहे 6 महिला और 5 पुरुष श्रमिकों कुल 11 वर्कर्स में से किसी का भी स्वास्थ्य परीक्षण प्रमाण पत्र नहीं पाया गया। शाकाहारी-मांसाहारी सामग्री एक साथ सबसे गंभीर लापरवाही यह देखी कि अंडों का रखरखाव सीधे वेज (शाकाहारी) खाद्य सामग्री के साथ ही सटाकर किया जा रहा था। मेड़ा, अंकल जी जामुन, कुकीज, के सैंपल लेकर परिसर को किया बंद मौके पर मौजूद साथी खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा खाद्य पदार्थों के कानूनी नमूने लिए गए हैं, जिन्हें जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा जा रहा है।

सांदीपनि विद्यालय में पढ़ रहे विद्यार्थी विकसित भारत का निर्माण करेंगे: भूपेन्द्र सिंह

बांदरी में 26.5 करोड़ लागत से सांदीपनि विद्यालय के प्रथम फेज का लोकार्पण

6 करोड़ से बन रहे एसटीपी निर्माण का भूमिपूजन किया

दीनबन्धु • संवाददाता
dinbandhunews.com

बांदरी। पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक श्री भूपेन्द्र सिंह ने बांदरी में 38.5 करोड़ की लागत से निर्मित हो रहे सांदीपनि विद्यालय के 26.5 करोड़ की लागत से निर्मित फर्स्ट फेज के कार्य में निर्मित भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने इस अवसर पर स्वच्छ भारत मिशन के तहत 6 करोड़ की लागत से निर्मित हो रहे उपयोगिता एवं प्रबंधन कार्य (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) का भूमिपूजन भी किया। सांदीपनि विद्यालय भवन के लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व गृहमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि सांदीपनि विद्यालय भवन महज ईंट पत्थर कांक्रीट से बना भवन नहीं है, यह बच्चों के भविष्य निर्माण का केंद्र है, इसकी आत्मा शिक्षा और संस्कार है। यह नये भारत की पाठशाला है जहां पढ़ने वाले विद्यार्थी विकसित भारत का निर्माण करेंगे। पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक श्री भूपेन्द्र सिंह ने

सांदीपनि विद्यालय के भवन के लोकार्पण समारोह में उपस्थित हजारों स्कूली बच्चों और उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि मैंने इस भवन का लोकार्पण करने के पहले इसका निरीक्षण किया है। आप सभी को भी इसका निरीक्षण करना चाहिए। यहां वर्ल्ड क्लास सुविधाएं हैं। 5 स्टार होटल की तरह यह भवन बना है। यहां जो फर्नीचर आया है उसकी गुणवत्ता का फर्नीचर महानगरों के प्राइवेट स्कूलों में भी नहीं होगी। स्मार्ट क्लासेस, डिजीटल लैब, लाइब्रेरी, आधुनिक किचिन और मैस, तीन प्ले ग्राउंड, सभी खेलों के उपकरण यहां हैं। यहां शिक्षा के साथ संस्कार भी मिलेंगे। यह आधुनिक शिक्षा के साथ भारतीय संस्कारों का संगम होगा। उन्होंने कहा कि अभी गांव गांव में स्कूलें हैं पर हम सभी वहां अच्छी शिक्षा की कमी महसूस करते रहे हैं। अब सांदीपनि स्कूल आरंभ कर सरकार ने तय कर दिया है कि 15-20 गांवों के बीच एक बड़ी अत्याधुनिक सांदीपनि स्कूल होगी जहां के शिक्षक भी विशेष परीक्षा के माध्यम से चयनित किए जाएंगे ताकि ऊंचे मानदंडों की शिक्षा ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को भी मिल सके। पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक श्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डा मोहन यादव का मैं आभार मानता हूं कि उन्होंने इन स्कूलों को सांदीपनि स्कूल नाम दिया है। भगवान श्री कृष्ण जी भी उज्जैन के महर्षि सांदीपनि के आश्रम में रह कर पढ़े थे। सांदीपनि विद्यालय में सर्वांगीण विकास होगा। यहां सभी विषयों के साथ खेल, कलां, संगीत,योग, पर्सनालिटी डेवलपमेंट की भी शिक्षा मिलेगी। यहां सारे सब्जेक्ट होंगे। एआई और आधुनिक तकनीक का ज्ञान प्राप्त करते हुए यहां के बच्चे भविष्य की चुनौतियां से निपटना सीखेंगे। उन्होंने बताया कि यहां ऐसी कंप्यूटर लैब है। कक्षावार तीन विंग हैं जहां एक प्रिंसिपल व दो हेडमास्टर हैं। फायर सेफ्टी, इमरजेंसी गेट आदि मानक सेफ्टी फीचर्स यहां हैं। इसके सेकंड फेज में 13 करोड़ की लागत से छात्रावास , स्टेडियम और खेल सुविधाओं के काम होंगे। यहां प्रारंभ में 2000 विद्यार्थी पढ़ सकेंगे जिनमें से 500 एडमीशन और यहां होना है। पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक श्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि आगामी 15 जुलाई को खुरई ब्लाक के गढ़ौला जागीर में बने सांदीपनि विद्यालय भवन का लोकार्पण होगा। इस वर्ष बरोदिया कलां में सांदीपनि विद्यालय बनेगा। उन्होंने कहा कि बांदरी जैसे क्षेत्र में जहां शासकीय भूमि थी ही नहीं वहां वनविभाग और गृहविभाग से भूमि आवंटित कराते हुए कालेज, बस स्टैंड, आडिटोरियम और अब सांदीपनि विद्यालय भवन बनवाना चुनौतीपूर्ण कार्य था। यहां के कालेज में भी निरंतर अच्छे पाठ्यक्रम आते जाएंगे और इस क्षेत्र के बच्चों को पूरी शिक्षा स्थानीय स्तर पर मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में सांदीपनि स्कूलों में यहां फ्री बस चलेंगी जो ग्रामीण छात्र छात्राओं को घरों तक लाने छोड़ने का काम निशुल्क करेंगी। उन्होंने सांदीपनि विद्यालय बांदरी के विगत शैक्षणिक वर्ष के खराब परिणाम से सख्त नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि यदि इस वर्ष का परिणाम 85 प्रतिशत नहीं आया तो प्राचार्य सहित पूरे शैक्षणिक स्टाफ पर कठोर कार्रवाई होगी। गुरु को हमारी संस्कृति में श्रेष्ठ माना गया है। स्टाफ को सरकार पर्याप्त वेतन जनता के टैक्स से देती है। गुरु की भूमिका को जिम्मेदारी से निभाया जाना चाहिए। शिक्षा के नाम पर व्यापार करने वालों, पीढ़ियों का भविष्य बर्बाद करने वालों और विद्यार्थियों के साथ लापरवाही, बेईमानी करने वालों पर कार्रवाई में कमी नहीं रखी जाएगी।

विद्यार्थी हित, गुणवत्ता और पारदर्शिता पर आधारित कार्य संस्कृति विकसित करें विश्वविद्यालय: परमार

शिक्षा संवाद कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों से किया सीधा संवाद

दीनबन्धु • संवाददाता
dinbandhunews.com

भोपाल। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने वाले संस्थान नहीं, बल्कि ऐसे ज्ञान केंद्र हैं, जहाँ समाज की समस्याओं का समाधान करने वाले श्रेष्ठ, संवेदनशील, नैतिक एवं राष्ट्रनिष्ठ नागरिकों का निर्माण होता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल रोजगार के योग्य बनाना नहीं, बल्कि उन्हें समाज और राष्ट्र की आवश्यकताओं के अनुरूप सक्षम, उत्तरदायी एवं नवाचारी बनाना है। विश्वविद्यालयों को इसी लक्ष्य के साथ आगे बढ़ना होगा। मंत्री श्री परमार बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल में आयोजित शिक्षा संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री परमार ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य सभी विश्वविद्यालयों को शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोध, नवाचार, सुशासन एवं विद्यार्थी-केंद्रित व्यवस्था के आदर्श मॉडल के रूप में विकसित करना है। विश्वविद्यालयों की कार्य संस्कृति ऐसी होनी चाहिए, जिसमें प्रत्येक निर्णय विद्यार्थी हित, गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लिया जाए।उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल ज्ञान प्रदान करने तक सीमित न रहें, बल्कि समाज को दिशा देने वाले सशक्त शैक्षणिक संस्थान बनें। मंत्री श्री परमार ने कहा कि आदर्श विश्वविद्यालय वही है, जहाँ गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, समयबद्ध शैक्षणिक गतिविधियाँ, अनुशासित व्यवस्था, शोध की सशक्त संस्कृति, नवाचार तथा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हों। विश्वविद्यालयों को ऐसा वातावरण तैयार करना चाहिए, जहाँ विद्यार्थी केवल डिग्री प्राप्त न करें, बल्कि समाज एवं राष्ट्र की चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करने वाले सक्षम नागरिक बनकर निकलें। मंत्री श्री परमार ने कहा कि प्राध्यापकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए 'सार्थक ऐप' का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है, जिससे शिक्षण व्यवस्था में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बढ़ी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान शैक्षणिक सत्र से विद्यार्थियों की उपस्थिति भी 'सार्थक ऐप' के माध्यम से दर्ज की जायेगी, जिससे नियमित उपस्थिति, अनुशासन, कक्षाओं में सहभागिता तथा शिक्षण की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार आएगा। मंत्री श्री परमार ने कहा कि समय पर प्रवेश, समय पर परीक्षा और समय पर परिणाम, गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा की आधारशिला हैं। परीक्षा प्रणाली को पूर्णतः पारदर्शी, तकनीक आधारित एवं त्रुटिरहित बनाने के लिए डिजिटल मूल्यांकन, ऑनलाइन परीक्षा प्रबंधन तथा आधुनिक तकनीकों का अधिकतम उपयोग किया जाए। विद्यार्थियों के शैक्षणिक हित सर्वोपरि हैं और उनसे किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। मंत्री श्री परमार ने विश्वविद्यालयों में शोध एवं नवाचार की सशक्त संस्कृति विकसित करने पर विशेष बल देते हुए कहा कि अनुसंधान केवल अकादमिक उपलब्धि तक सीमित न रहे, बल्कि समाज, उद्योग, कृषि, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं स्थानीय समस्याओं के समाधान से जुड़ा हो। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप बहुविषयक शिक्षा, भारतीय ज्ञान परंपरा, भारतीय भाषाओं, कौशल आधारित शिक्षा, स्टार्टअप, नवाचार तथा उद्योगों के साथ समन्वय को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है।

श्रीरामानुज संस्कृत परिसर वैदिक अध्ययन और शोध का बनेगा महत्वपूर्ण केंद्र : शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के श्रीरामानुज संस्कृत परिसर, लक्ष्मण बाग, रीवा के सशक्तीकरण एवं संस्थागत विकास संबंधी प्रस्तावों की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि श्रीरामानुज संस्कृत परिसर संस्कृत, वैदिक अध्ययन, भारतीय दर्शन, प्राचीन शास्त्रों तथा भारतीय ज्ञान परम्परा के अध्ययन-अध्यापन और शोध का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। श्रीरामानुज संस्कृत परिसर, रीवा में अध्ययन-अध्यापन, शोध, प्रकाशन, परीक्षा, प्रशासनिक एवं विस्तार गतिविधियों के सुचारु संचालन के लिए शैक्षणिक,

प्रशासनिक एवं गैर-शैक्षणिक पदों के सृजन के प्रस्ताव पर चर्चा की गई। परिसर के लिए कुल 243 पदों के सृजन तथा उनकी पूर्ति तीन वर्षों में चरणबद्ध रूप से किए जाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसमें 117 शैक्षणिक, 4 प्रशासनिक तथा 122 गैर-शैक्षणिक पद सम्मिलित हैं। बैठक में अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि परिसर में आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध होने से विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध मार्गदर्शन और आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं प्राप्त होंगी। उन्होंने परिसर के संधारण एवं शैक्षणिक गतिविधियों के विस्तार के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि पदों की स्वीकृति से श्रीरामानुज संस्कृत परिसर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मानकों के अनुरूप शैक्षणिक वातावरण विकसित होगा।

तेंदूखेड़ा के 7 ब्लैक स्पॉट पर दमोह पुलिस का संयुक्त निरीक्षण

त्वरित सुधार कार्य के निर्देश

दीनबन्धु • संवाददाता
dinbandhunews.com

दमोह/सागर। पुलिस अधीक्षक दमोह के निर्देशन में जिले में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं आमजन की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से थाना तेंदूखेड़ा क्षेत्र के चिन्हित 7 ब्लैक स्पॉट का संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दुर्घटना की संभावनाओं का सूक्ष्मता से मूल्यांकन करते हुए आवश्यक सुधारात्मक उपायों पर संबंधित विभागों के साथ विस्तृत चर्चा की गई। निरीक्षण में नाग बाबा मंदिर, बमहोरी तिराहा, ठाकुर ढाबा से बड़ी खेर माता मंदिर मार्ग, भोड़ी मंदिर तिराहा, नरगुआ टेक, 27 मील चौराहा एवं पण्डा बाबा मंदिर सहित सभी चिन्हित ब्लैक स्पॉट का मौके पर जाकर निरीक्षण किया गया। संयुक्त टीम

द्वारा एमपीआरडीसी रोड एजेंसी एवं मेंटेनेंस एजेंसी को शॉर्ट टर्म रेक्टिफिकेशन के अंतर्गत आवश्यक सुरक्षा कार्य तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। इनमें चेतावनी एवं गति सीमा संकेतक बोर्ड, कैट आई, रोड मार्किंग, रिफ्लेक्टर, साइड शोल्डर का भराव, दृश्यता बढ़ाने हेतु पेड़ों एवं झाड़ियों की सफाई, रंबल स्ट्रिप तथा मोड़ों पर Chevron Sign Board लगाने के निर्देश शामिल हैं। साथ ही बमहोरी तिराहा एवं 27 मील चौराहा पर रात्रिकालीन दुर्घटनाओं की संभावना को कम करने के लिए पर्याप्त हाई-मास्ट/स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु भी संबंधित एजेंसी को निर्देशित किया गया।

प्रारंभ... इंदौर-जबलपुर ओवरनाइट सुपरफास्ट एक्सप्रेस का सीहोर में नियमित ठहराव प्रारंभ

सीहोर जिले को बेहतर रेल सुविधाएँ उपलब्ध कराना मेरी प्राथमिकता: आलोक शर्मा

दीनबन्धु • संवाददाता
dinbandhunews.com

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा प्रदेश में रेल सुविधाओं के निरंतर विस्तार के क्रम में सीहोर जिले को एक और महत्वपूर्ण सौगात मिली है। सांसद श्री आलोक शर्मा के सतत एवं प्रभावी प्रयासों से ट्रेन संख्या 22191/22192 इंदौर-जबलपुर-इंदौर ओवरनाइट सुपरफास्ट एक्सप्रेस का नियमित ठहराव अब सीहोर रेलवे स्टेशन पर प्रारंभ हो गया है। इससे जिले के यात्रियों को मालवा एवं महाकौशल क्षेत्र के बीच आवागमन के लिए एक तेज, सुविधाजनक और सीधा रेल विकल्प उपलब्ध होगा।बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में सांसद श्री आलोक शर्मा एवं सीहोर विधायक श्री सुदेश राय ने हरी झंडी

दिखाकर ट्रेन के नए स्टॉपेज का शुभारंभ किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री प्रिंस राठौर, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री नरेश मेवाड़ा, जिला महामंत्री श्री पंकज गुप्ता, जिला प्रभारी श्री विकास वीरानी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्री जसपाल अरोड़ा, नगर मंडल अध्यक्ष श्री सुदीप प्रजापति, वरिष्ठ भाजपा नेता श्री सन्नी महाजन, रतलाम मंडल के एडीआरएम श्री कुंजीलाल मीणा, वरिष्ठ डीईएन श्री महेंद्र सिंह सहित रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर सांसद श्री आलोक शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे अभूतपूर्व परिवर्तन और आधुनिकीकरण के दौर से गुजर रही है। उन्होंने कहा कि सीहोर जिले को बेहतर रेल सुविधाएँ उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है और इसी उद्देश्य से रेलवे मंत्रालय के समक्ष जिले की आवश्यकताओं को लगातार प्रभावी ढंग से रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज प्रारंभ हुआ यह नया ठहराव उन्हीं सतत प्रयासों का परिणाम है, जिसका लाभ जिले के हजारों यात्रियों को मिलेगा। सांसद श्री शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी सीहोर को नई रेल सेवाओं एवं अतिरिक्त सुविधाओं से जोड़ने के लिए उनके प्रयास निरंतर जारी रहेंगे, जिससे जिले का विकास और अधिक गति प्राप्त करेगा। उल्लेखनीय है कि सांसद श्री आलोक शर्मा के निरंतर प्रयासों से इससे पूर्व 23 फरवरी से बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर तथा अहमदाबाद-गोरखपुर के बीच संचालित दो जोड़ी ट्रेनों का ठहराव भी सीहोर रेलवे स्टेशन पर प्रारंभ कराया गया था। इससे सीहोर के यात्रियों को प्रयागराज, वाराणसी, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद और मुंबई जैसे प्रमुख शहरों के लिए बेहतर एवं सुगम रेल संपर्क उपलब्ध हुआ है। अब इंदौर-जबलपुर ओवरनाइट सुपरफास्ट एक्सप्रेस के ठहराव से मालवा और महाकौशल क्षेत्र के बीच यात्रा करने वाले विद्यार्थियों, व्यापारियों, नौकरीपेशा लोगों तथा आम यात्रियों को विशेष सुविधा मिलेगी। इससे क्षेत्रीय संपर्क और आवागमन को भी नई मजबूती प्राप्त होगी।

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी दिनेश शर्मा द्वारा ह.न.3,पारस नगर बैरसिया रोड, फैस- II ,करोंद-जिला भोपाल 462038 (म.प्र) से प्रकाशित तथा उमा प्रिंटर्स ओल्ड पोस्ट आफिस जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित।
सम्पादक: दिनेश शर्मा, कार्यकारी संपादक चंद्रहास शुक्ल । (सभी प्रकार के विवादों का निपटारा न्यायालय क्षेत्र भोपाल रहेगा) मोबाइल नम्बर 9425028578